चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 120, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 29 मई 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

भव्य, दिव्य, नई संसद

भारत के संसदीय इतिहास ने ली करवट, लोकतंत्र का नया मंदिर राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रायसीना हिल्स में लोकतंत्र के मंदिर नए संसद भवन का उद्घाटन किया। इसी के साथ पुराने संसद भवन ने देश की पवित्र विधानपालिका के स्थान के रूप में अपना 96 साल पुराना दर्जा नए भवन को सौंप दिया। पुराने भवन में संसद का आखिरी सत्र अप्रैल में समाप्त बजट सत्र था। ड्यूक ऑफ कनॉट ने 12 फरवरी, 1921 को पुराने संसद भवन की आधारशिला रखते वक्त कहा था, "यह भवन भारत के पुनर्जन्म के प्रतीक के रूप में खड़ा रहेगा, जिसमें देश और भी ऊंची नियति हासिल करेगा।" ड्यूक ऑफ कनॉट का यह भविष्यवादी कथन आज नए संसद भवन के उद्घाटन के साथ इतिहास बन गया।

नई संसद आत्मनिर्भर भारत के उदय की साक्षीः

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि नई संसद आत्मनिर्भर भारत के उदय की साक्षी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक इमारत नहीं है बल्कि 140 करोड़ जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह भारत के दृढ़ संकल्प के बारे में दुनिया को संदेश देती है। हर देश की विकास यात्रा में कुछ पल अमर होते हैं और 28 मई 2023 एक ऐसा ही दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नव्य-भव्य संसद भवन राष्ट्र को समर्पित किया। इससे पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नए संसद भवन में सेंगोल को स्थापित किया। दोपहर में नए भवन के लोकसभा कक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कोलकाता टकसाल में तैयार 75 रुपये का सिक्का और डाक विभाग की ओर से जारी विशेष डाक टिकट जारी किया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा लोकतंत्र हमारी प्रेरणा और हमारा संविधान हमारा संकल्प है। संसद इस प्रेरणा और संकल्प की श्रेष्ठ प्रतिनिधि है। नई संसद में लिया गया हर निर्णय समाज के सभी वर्गों के भाग्य का फैसला करेगा और यहां बने कानूनों से गरीबी दूर करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भवन नूतन और पुरातन के सह-अस्तित्व का भी आदर्श उदाहरण है। नया संसद भवन हमारे विश्वास को नई बुलंदी देने वाला है। ये विकसित भारत के निर्माण में हम सभी के लिए नई प्रेरणा बनेगा। ये संसद भवन हर भारतीय के कर्तव्य भाव को जागृत करेगा। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा।

नया संसद भवन आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगाः पीएम

पीएन ने कहा कि नया संसद भवन आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा। विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि होते हुए देखेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास अमृतकाल खंड के 25 साल हैं। हमें मिलकर इस अवधि में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। विश्व स्तर पर हम पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि एक 'विकसित भारत' कई अन्य देशों को प्रेरित करेगा। कई वर्षों के विदेशी शासन ने हमारा गौरव हमसे छीन लिया। आज भारत उस औपनिवेशिक मानसिकता को पीछे छोड़ चुका है। सेंगोल अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक था और हमने उसको उचित सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पंचायत भवन से लेकर संसद भवन तक देश और देशवासियों का विकास हमारा संकल्प और प्रेरणा बना हुआ है। उन्हें संतोष है कि पिछले 9 वर्षों में देश में 4 करोड़ गरीबों के लिए घर और 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण हुआ है। नई संसद में आधुनिक सुविधाओं की बात करते हैं तो उन्हें संतोष होता है कि हमने देश के गांवों को जोड़ने के लिए 4 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया है।

'पुराने संसद भवन में काम पूरा करना मुश्किल होता था'

नए भवन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पुराने संसद भवन में काम पूरा करना मुश्किल होता था और इस बात से सभी वाकिफ हैं।

पीएम मोदी का रहा 34 मिनट भाषण, 65 बार गूंजी तालियों की आवाज

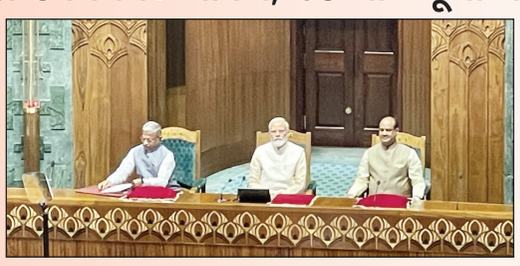

नई दिल्लीः नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना उद्बोधन शुरू किया तो अगले पांच मिनटों में ही करीब 14 बार तालियों की गड़गड़ाहट से सदन गूंज उठा। प्रधानमंत्री 34 मिनट तक देश को संबोधित किया और इस दौरान 65 बार तालियों की आवाज से नया सदन गूंज उठा। प्रधानमंत्री ने रविवार को कहा कि बीते नौ साल नवनिर्माण और गरीब कल्याण के रहे हैं। उनकी इस बात पर देर तक तालियां बजती रहीं। नए संसद भवन से देश के संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इसे प्रेरणा के साथ-साथ संकल्प का प्रतिनिधित्व कहा तो सहज ही तालियां बजनी शुरू हो गईं। उन्होंने अपना संबोधन जारी रखा और दूसरी तरफ तालियां बजती रहीं। मोदी-मोदी के नारे लगते रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भवन आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा। वे अपने उद्बोधन के दौरान नए संसद भवन की खूबियां बताते गए और लोग हर्ष भाव के साथ तालियां बजाते रहे। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा कई बार तालियां बजाते दिखे। उनके साथ बैठे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी प्रफुल्लित दिखाई दिये। इस उद्घाटन समारोह में जो आए वे राष्ट्रभाव से सराबोर दिखे। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन आनंदित दिखीं। वे बार-बार तालियां बजाकर अपनी खुशी का इजहार कर रही थीं।

अपने उद्बोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जब कहा कि लोकसभा कक्ष में राष्ट्रीय पक्षी मोर को दिखाया गया है तो एकबारगी लोगों की नजर मोरे के बने उन छह तस्वीरों पर जा टिकी हो दीर्घा के ऊपर बनी हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय फूल कमल का छाया पूरे राज्यसभा कक्ष पर है।

उत्कृष्टता के साथ लोगों की अपेक्षा पूरी करेगा नया संसद भवन- शाह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। ट्वीट्स के माध्यम से अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि ये भवन सिर्फ लोगों की आकांक्षाओं के पूरा होने का स्थान नहीं है बल्कि अमृतकाल के दौरान हर क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर भारत की यात्रा की शुरूआत का स्थान भी है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने नए संसद भवन के निर्माण के राष्ट्र के स्वप्न को रिकॉर्ड समय में पूरा करने वाले श्रमयोगियों की मेहनत के प्रति भी आभार प्रकट किया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा संसद भवन में सेन्गोल की स्थापना से भारत की सांस्कृतिक विरासत और इसके वर्तमान के बीच सेतु का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि ये भारत की आने वाली पीढ़ियों को हमारी समृद्ध संस्कृति में नीति परायणता के गुणों के महत्व के बारे में याद दिलाता रहेगा।

संसद के पुराने और नए भवनों से संबंधित घटनाक्रम बेहद दिलचस्प...

12 फरवरी, 1921: ड्यूक ऑफ कनॉट ने संसद भवन की आधारशिला रखी। उस समय इसे काउंसिल हाउस कहा जाता था।

18 जनवरी, 1927: तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन ने संसद भवन का उद्घाटन किया।

19 जनवरी, 1927: संसद भवन में आयोजित केंद्रीय विधानसभा के तीसरे सत्र की पहली बैठक।

09 दिसंबर, 1946: संविधान सभा की पहली बैठक।

14/15 अगस्त, 1947: संविधान सभा के मध्यरात्रि सत्र में सत्ता का हस्तांतरण।

13 मई, 1952: दोनों सदनों की पहली बैठक।

03 अगस्त, 1970: तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरि ने संसदीय सौध की आधारशिला रखी।

24 अक्टूबर, 1975: तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संसदीय सौध का उद्घाटन किया।

15 अगस्त, 1987: तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद पुस्तकालय की आधारशिला रखी।

07 मई, 2002: तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन ने संसद पुस्तकालय भवन का उद्घाटन किया।

05 मई, 2009: तत्कालीन उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी और तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने संसदीय सौध के विस्तार की आधारशिला रखी।

31 जुलाई, 2017: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसदीय सौध के विस्तार किए गए हिस्से का उद्घाटन किया।

05 अगस्त, 2019: तत्कालीन उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आधुनिक संसद भवन का प्रस्ताव पेश किया।

10 दिसंबर, 2020: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन की आधारशिला रखी।

28 मई, 2023: प्रधानमंत्री मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया।

नया संसद भवन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में नया स्वर्णिम अध्याय : सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का नया स्वर्णिम अध्याय बताया है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि नया संसद भवन नए भारत की आशाओं, अपेक्षाओं की पूर्ति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने पवित्र सेंगोल को भारत के न्याय, निष्पक्षता, संप्रभुता और सामर्थ्य का प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने नई दिल्ली में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर लिखा है, ऐतिहासिक क्षण ! नए भारत की आशाओं, अपेक्षाओं और अभिलाषाओं की पूर्ति का प्रतीक, वैभवशाली, गौरवशाली व प्रेरणादायी नए संसद भवन को आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया है।

'मन की बात': 'सावरकर का व्यक्तित्व में दृढ़ता और विशालता थी'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से आग्रह किया कि वह देशभर में मौजूद संग्रहालयों का भ्रमण करें और इनके माध्यम से अपनी विरासत से जुड़ें। वे अपनी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा करें ताकि अन्य लोगों को भी इनके बारे में पता चले। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम में मन की बात के 101वें एपिसोड में एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना से प्रेरित युवा संगम, देश के संग्रहालय, जल संरक्षण से जुड़े स्टार्टअप पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में उन्होंने हिरोशिमा (जापान) स्थित संग्रहालय का दौरा किया। उससे उन्हें बहुत प्रेरणा मिली और जानकारी बढ़ी। हमारे देश में अलग-अलग विषयों पर आधारित बड़ी संख्या में संग्रहालय हैं। इनकी एक पहली बार एक सूची तैयार की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को याद किया और कहा कि उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता और विशालता थी। उन्होंने 4 जून को संत कबीर की जयंती पर उन्हें याद किया और कहा कि उन्होंने समाज को बांटने वाली कुप्रथाओं का विरोध किया था।

पीएम ने भाजपा शासित राज्यों के सीएम के साथ की मुलाकात

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्रियों ने राज्यों में चल रहे विकास कार्यों के बारे में प्रधानमंत्री को अवगत कराया। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा भी की।

पहलवानों ने बैरिकेड तोड़ा, पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। दरअसल, पहलवान पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़कर नए संसद भवन की तरफ मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। जिस पर पुलिस ने उन्हें रॉयल प्लाजा गोल चक्कर से पहले ही हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार पहलवान साक्षी मलिक, संगीता फोगाट और बजरंग पूनिया को हिरासत में लिया गया है। उनके साथ कई और पहलवान भी हैं। वहीं, हिरासत में लिए गए पहलवानों को अलग-अलग पुलिस स्टेशन में ले जाया गया है। उनके साथ काफी संख्या में समर्थक भी हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस ने पहलवान जिस जगह पर प्रदर्शन कर रहे थे, उस जगह को अब खाली करा रही है। जंतर मंतर से बड़े-बड़े कूलर, खाने-पीने के सामान, टेंट का सामान, गद्दे-फोल्डिंग, पलंग सभी को पुलिस की तरफ से हटाया गया है। पहलवानों के टेंट तंबू को पुलिस ने पूरी तरह से हटा दिया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार को पहलवानों द्वारा जारी किये गए वीडियो के बाद से काफी संख्या में दिल्ली पुलिस के जवान अर्धसैनिक बलों के जवान महिला पुलिसकर्मी की जंतर-मंतर में तैनाती कर दी गई थी।

वहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों के समर्थन में रविवार को आयोजित होने वाली महिला सम्मान महापंचायत में शामिल होने के लिए दिल्ली यूपी के गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत व उनके साथ आये समर्थक को बॉर्डर पर ही पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान राकेश टिकैत ने कहा कि उन्हें दिल्ली जाने नहीं दिया जा रहा है, गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर भारी तादाद में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

प्रयागराज में मिला पोलियो वायरस

नाले के पानी की जांच में म्यूटेंट-6 की पुष्टि, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

प्रयागराजः नाले के पानी की जांच में पोलियो का वायरस मिला है। इसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। यह जांच रैंडम आधार पर डब्ल्यूएचओ की ओर से कराई गई थी और पुराने शहर के गऊघाट इलाके से नाले के पानी का सैंपल जांच के लिए भेजा गया था। जांच में आई रिपोर्ट चौंकाने वाली है। बताया जाता है कि रिपोर्ट में पोलियो का म्यूटेंट-6 वायरस मिलने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों माने तो यह वायरस खतरनाक नहीं होता है और इसका शरीर पर कोई असर नहीं पड़ता है। डब्ल्यूएचओ की ओर से हर महीने इस तरह की रैंडड सैंपलिंग कर जांच कराई जाती है। म्यूटेंट - 6 वायरस की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य महकमा हरकत में आ गया है। डॉक्टरों को अलर्ट कर दिया गया है। 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों पर इसका असर होता है।

खबर संक्षेप

दीवानी कोर्ट के आदेश को नहीं मानते नायब तहसीलदार

लेडियारी। कोरांव तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरी जिरौंहा के मजरा (डिलवा तिवारी का पूरा) सरकारी अभिलेख में श्रेणी छ(2)की आबादी गाटा नम्बर 462 एवं 464 जिसका दीवानी न्यायालय में मुकदमा बिचारा धीन है ` इसके बाद भी शनिवार को नायब तहसीलदार बड़ोखर पुलिस बल के साथ उक्त ग्राम में पहुँच कर जबरन कब्जा हटवाने की कोशिश कर रहे थे नायब तहसीलदार बड़ोखर उक्त ग्राम में पहुँच कर महिलाओं को उकसा कर मनमाने ढंग से बाऊड्री बाल को जबरन हटवाने लगे और कहने लगे जहाँ देखिए कोर्ट का आदेश लोग दिखाते है। जिसके कारण मामले का निस्तारण नहीं हो पा रहा है` तथा क्षेत्र में आये दिन विवाद बढ़ता जा रहा है। इतना ही नहीं जो पीड़ित व्यक्ति अपने साथ अन्याय होता देख, दीवानी कोर्ट या उच्च न्यायालय की शरण में गया है, यदि इसी तरह तहसील में बैठे अधिकारी एक पक्ष के लिए न्यायालय के आदेश को नहीं मानेंगे तो पीड़ित व्यक्ति के साथ कैसे न्याय हो पाएगोतहसील कोरांव के अधिकारियों की मनमानी से लोग काफी त्रस्त हैं।

मारपीट में घायल किशोर की अस्पताल में मौत

- आक्रोशित परिजनो ने आरोपियों के घर पर मृतक का शव रखकर जमकर किया हंगामा
- पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी करने के बजाय मृतक के परिजन को ही लगा रही फटकार
- नगर पंचायत अध्यक्ष विपिन केशरी के मनाने पर परिजन शव लेकर वापस लौटे घर

अखंड भारत संदेश

सिरसा। सिरसा नगर पंचायत के बालमुकुंद मोहल्ले में 20 मई की रात चार लोगों ने मिलकर एक किशोर की लाठी डंडे से बुरी तरह पिटाई कर दिया था। जिसमें किशोर की इलाज के दौरान नौवें दिन अस्पताल में मौत हो गई। इससे आक्रोशित परिजन मृतक का शव लेकर आरोपियों के घर पहुँच शव रख जमकर हंगामा किया। परिजनों ने भी सक्षम अधिकारी के आने के बाद अंतिम संस्कार की जिद पर अड़े है। प्राप्त जानकारी के अअनुसार मेजा थाना क्षेत्र अंअंतर्गत नगर पंचायत सिरसा के बालमुकुंद मोहल्ला निवासी शारदा यादव का 17 वर्षीय बेटा शिव कुमार यादव बीते 20 मई की रात शादी समारोह से घर लौटा था। तभी मोहल्ले के अंतिमा गिरी

पुत्र शम्भू गिरी, संजय गिरी पुत्र शम्भू गिरी, अमित निषाद पुत्र विनोद निषाद व आदित्य गिरी पुत्र संजय गिरी ने दरवाजे के समीप रोककर उसकी लाठी डंडे सहित लोहे के राड से बर्बरता पूर्वक पिटाई कर बेहोशी की हालात में घर के सामने फेंक कर भाग गए। जानकारी पर परिजनों द्वारा उसे नजदीकी अस्पताल से नाजुक दशा में जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया। वहीं आज किशोर की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। इससे आक्रोशित परिजन शव लेकर आरोपियों के घर पहुँचें। मृतक के परिजनों ने हंगामा करते हुए शव को आरोपियों के दरवाजे रखकर बवाल शुरू कर दिया। वहीं सूचना पर पहुँचें नगर पंचायत अध्यक्ष विपिन केशरी के मान मनोबल के बाद परिजन शव अपने घर लेकर चले गए। पीड़ित परिजनों का कहना है कि जब तक जिलाधिकारी या कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नही आ जाता। तब तक शव का अंतिम संस्कार नही किया जाएगा। वहीं परिजनों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस भी उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की कहावत को दोहराने में लगी हुई है। आरोप है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बजाय पुलिस मृतक के परिजनों को फटकार लगा रही है।

ब्रम्हपुत्र मेल में बिना लाइसेंस खाद्य सामग्री बेचना पड़ा महंगा

आरपीएफ पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

मांडा प्रयागराज। मांडा रोड रेलवे स्टेशन पर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन में बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थ बेचते हुए तीन आरोपियों को आरपीएफ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरपीएफ पुलिस ने लिखा पढ़ी कर तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां न्यायालय के आदेश पर तीनों आरोपियों को जेल भेजा गया।मांडा रोड स्टेशन पर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन में बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थ बेचने के आरोप में आरपीएफ की टीम ने तीन आरोपियों को पकड़कर मांडा रोड जीआरपी चौकी इंचार्ज मनोज त्रिपाठी को सौंप दिया। तीनों आरोपी बिना लाइसेंस के ट्रेन में खाद्य सामग्री बेच रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में मिजार्पुर के जिगना थाना क्षेत्र के बजता गांव निवासी भसुंदर लाल, विंध्याचल कोतवाली अंतर्गत धानी पट्टी गांव निवासी कुंवर यादव व प्रयागराज अतरसुइया थाना क्षेत्र के दरियाबाद निवासी अमित दीक्षित के रूप में आरोपियों की पहचान हुई है।इनके खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करके तीनों आरोपियों का लिखा पढ़ी के बाद रेलवे पुलिस ने चालान किया। तीनों आरोपियों को रेलवे पुलिस लेकर न्यायालय पहुचीं। जहां पेशी के दौरान तीनों आरोपियों को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। वहीं तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

न्यूज झरोखा

अरैल के नये पक्के घाट पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

नैनी। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल नैनी प्रयागराज के सौजन्य से रविवार को कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार केसरवानी के नेतृत्व में अरैल के नये पक्के घाट पर स्वच्छता अभियान चलाकर आमजन मानस, तीर्थ पुरोहितों, नाविको एवं स्नानार्थियों को जागरूक किया गया जिसमें सरस्वती परिवार के मार्गदर्शक श्याम नारायण पाठक ने पालीथीन मुक्त निर्मल गंगा यमुना के तट को स्वच्छ बनाए रखने की अपील सभी दशानार्थियों से की कार्यक्रम मेंअध्यक्ष संतोष तिवारी, प्रबंधक सचिव कुंवर जी तिवारी, सुनील मिश्रा सहदेव चौरसिया, धीरज यादव, सुनील कुशवाहा,ओमप्रकाश श्रीवास्तव, धीरज राजवानी, प्रवीण तिवारी, ज्ञान प्रकाश मिश्रा, आत्म प्रकाश यादव, विकास मिश्रा, ऋषि दीक्षित, सहदेव चौरसिया, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, सौरभ यादव, गौरव यादव, मयंक यादव, सनी यादव, अभय यादव, आदि उपस्थित रहे।

माकान में सेंधमारी करके चोरों ने उड़ाया लाखों का माल, सीसी कैमरे में तीन शातिर चोरों की तस्वीरें कैद

मऊआइमा। एक मकान में पीछे से सेंधमारी करके चोर अंदर दाखिल हो गए सन्दूकों का ताला तोड़कर सोना ,चांदी के आभूषणों तथा नगदी सहित लाखो की चोरी करने में कामियाब रहे।चोरो की तस्वीरे सी सी कैमरे में कैद हो गई है। भुक्त भोगी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के सराय जीत राय उर्फ पूरे भावा जयसिंहपुर निवासनीय आशा दूबे पत्नी स्वर्गीय राम शिरोमणी दूबे का परिवार 26 मई को घर में सोया था। बताते हैं कि सुबह शनिवार को जब घर में देखा तो घर के पीछे चोर सेंधमारी करके कमरे में रखे सन्दूकों का ताला तोड़कर सोने की आभूषण ,मंगलसूत्र ,हार, लाकेट, चैन, अंगूठी, करधन आदि तथा दस हजार नगदी सहित लगभग आठ लाख की चोर चोरी कर ले गए। सुबह चोरी की जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। सेंधमारी करके चोर घर के पीछे कपडा आदि फेंक दिए। बताया गया है कि गोवर्धधपुर चौराहे पर तीन चोरों की तस्वीरें सी सी कैमरे में कैद हो गई है। आशा दूबे ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे करअज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

प्राचीन मंदिर का समाजसेवी ने कराया जीर्णोद्धार

प्रतापपुर। क्षेत्र के सोइराई भीमपुर में स्थित प्राचीन सिद्ध धाम मंदिर का समाजसेवी मनीष कुमार पांडेय ने जीर्णोद्धार कराया। विद्वान आचार्य रजनीश मिश्रा एवं आचार्य नंद बिहारी दुबे के द्वारा सनातम धर्म मे वर्णित विधि-विधान और मंत्रोंचारण के साथ प्राण-प्रतिष्ठा कराया गया।समाजसेवी के इस पुनीत कार्य को ग्रामीणों ने खूब सराहा।समाजसेवी मनीष पांडेय ने कहा कि हर सामर्थ्यवान व्यक्ति को अपनी संपूर्ण आय का कुछ हिस्सा धार्मिक कार्य, गरीब, निरीह, विकलांग और बीमारों की सेवा के लिए अवश्य खर्च करना चाहिए।इस अवसर पर अजीत कुमार पांडेय, मनोज कुमार पाठक, साचेन्द्र प्रताप सिंह, विनय दुबे, रवि सिंह, अरविंद सिंह, रंग बहादुर यादव, विपिन यादव, डब्बू सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राजू सिंह, गिरिजा शंकर मिश्रा, सुशील सिंह, अशोक सिंह, दारा पांडेय, मोनू पांडेय, शुभम सिंह, दिलीप पाठक, निलेश यादव, साहिल, सत्यम, शुभम सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

भागवत कथा अमृत है, श्रवण करने से मोक्ष की प्राप्ति : नित्यानंद

जंघई। श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह के तीसरे दिन महरछा बारी गांव में मुख्य यजमान विजयनाथ पांडेय, अविनाश चंद्र पांडेय, अखिलेश चंद्र पांडेय के निवास पर कथा व्यास नित्यानंद शुक्ल महाराज ने संगीतमय कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य को वैभव और पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। जो सच्चे मन से भगवान को याद करता है भगवान स्वयं प्रकट होकर उनकी रक्षा करते हैं जैसे भगवान ने प्रहलाद को नरसिंह रूप में प्रकट होकर भयमुक्त किया था। ध्रुव चरित्र, प्रहलाद चरित्र, कपिल चरित्र, सती चरित्र, भगवान बाराह व नरसिंह अवतार का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण भागवत में ही वास करते हैं। जो व्यक्ति भागवत कथा का श्रवण करते हैं उनके पाप, ताप, संताप सब मिट जाते हैं।

ग्रापए संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल की मनाई गयी पुण्यतिथि

जारी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बालेश्वर लाल की मनाई गई 36 वी पुण्यतिथि। संगठन से जुड़े पत्रकारों है अर्पित किए अपने श्रद्धा सुमन। बारा तहसील के अधिवक्ता सभागार में 27 मई दिन शनिवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल जी की पुण्यतिथि संगठन से जुड़े पत्रकारों के द्वारा मनाई गयी, उक्त अवसर पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला इकाई के संरक्षक शोभनाथ कुशवाहा व मंडल उपाध्यक्ष बंशी लाल सिंह पटेल ने सर्वप्रथम बाबू बालेश्वर लाल की प्रतिमा पर संयुक्त रूप से माल्यार्पण किया। जिसके उपरांत उपस्थित पत्रकारों ने संस्थापक की प्रतिमा पर पुष्पा अर्पित करते हुए उनके विचारों पर चर्चा की गई।बारा तहसील ईकाई के तहसील अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह (पिंटू सिंह जारी) एडवोकेट के द्वारा विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि बाबू बालेश्वर लाल जी ने ग्रामीण पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिस संगठन को तैयार किया आज वह संगठन विशाल वटवृक्ष की तरह बढ़ता ही जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन तहसील महामंत्री गिरिजा शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद अली भइयन, अमर सिंह, अशोक मिश्रा , राम बाबू पटेल, राजेश केसरवानी, विनय विश्वकर्मा, रमेश पटेल, राम कुमार, मंगला प्रसाद, लालचंद्र पटेल, मानसिंह पटेल, दिलीप केसरवानी, रोहन केसरवानी, विकास गुप्ता, दीपक केसरवानी, विकास चंद्र शुक्ला, विनोद शुक्ला, अब्दुल अलीम शास्त्री, विनोद केसरवानी, नीरज श्रीवास्तव, सुजीत द्विवेदी, बलवीर पटेल, भूषण पटेल, रमेश चंद्र पटेल एडवोकेट, सुनील यादव, आलोक गुप्ता, छेदी लाल साहू, विनय साहू, लालता प्रसाद मिश्रा, शंकर लाल साहू, रोहित शर्मा, रोहित प्रजापति, डी.बी. सिंह पटेल, कलीम अहमद, राजेश शुक्ला सहित दर्जनों पत्रकार उपस्थित रहे।

जारी चौकी प्रभारी ने हटवाई हाइवे से टूटी रेलिंग

जारी। यमुनापार नेशनल हाईवे 30 पर दुर्घटना का कारण बन रही टूटी हुई रेलिंग को जारी चौकी हटवा दिया नेशनल हाईवे 30 पर गन्ने हरौ टोल प्लाजा के नजदीकी एक बेकाबू वाहन की टक्कर से यह रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई थी इसके बाद धीरे-धीरे रेलिंग में लगाई गई स्टील की प्लेट खुलकर सड़क पर आ गई थी। जारी गांव के पास हाईवे के डिवाइडर पर लगी रेलिंग के टूटने हादसे की आशंका बनी हुई थी शनिवार को जारी चौकी प्रभारी शैलेंद्र यादव अपनी पूरी टीम के साथ पहुंचे और टूटी हुई रेलिंग को प्लेट को उक्त स्थल से हटवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त रैली को टूट काफी समय हो गया था मामले की जानकारी एनएच को मौखिक रूप से दी गई थी। लेकिन नेशनल हाईवे आफ अथॉरिटी ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

नये संसद भवन का बहिष्कार करने वालों का जनता करेगी बहिष्कार

अखंड भारत संदेश

नये संसद भवन के उद्घाटन का किया गया लाइव प्रसारण, भाजपाइयों संग आम जनता ने भी सुना प्रधानमंत्री का भाषण

शंकरगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 101वें संस्करण के माध्यम से देश को संबोधित किया। नारीबारी शक्ति केंद्र सुरवल चंदेल के बूथ संख्या 272 में मन की बात के जिला संयोजक व जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने कार्यकताओं एवं आम नागरिकों संग मंडल महामंत्री ऋषि मोदनवाल के आवास पर प्रोजेक्टर के माध्यम से बडे.पर्दे पर मन की बात को देखा और सुना। इसके बाद बूथ समितियों की बैठक हुई, जिसमें दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ वर्ष का कार्यकाल पूरे होने पर विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा नये संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित करने पर शुभकामनाएं दी। कहा, देश के प्रधानमंत्री का आभार जताने के बदले मुद्दाविहीन विपक्ष को कुछ नहीं मिला तो वह लोकतंत्र के मंदिर नये संसद भवन का बहिष्कार कर जिस प्रकार से ओछी राजनीति कर रहा है, वह जनता समझ रही है। अब देश की जनता 2024 में चुनाव में बहिष्कार करने वालों का ही बहिष्कार करने का मन बना चुका है। जिला महामंत्री विजय शंकर शुक्ल, वरिष्ठ भाजपा नेता शरद गुप्ता ने बूथ समितियों की बैठक को संबोधित किया। संचालन मंडल मंत्री ऋषि मोदनवाल ने करते हुए आभार जताया। इस अवसर जिला उपाध्यक्ष धर्मराज पाल, शक्ति केंद्र संयोजक गिरीश कुमार चतुवेर्दी, युवा मोर्चा मंडल मंत्री दिव्यांशु चतुवेर्दी, अरविंद तिवारी, प्रवीण मिश्र, अर्जुन गुप्ता, अनिल, धीरेंद्र, प्रदीप आदि उपस्थित रहे।

किसानों द्वारा तैयार कंपनी की कार्ययोजना पर बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

मेजा। भोजपुवा ग्राम में नवचारी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कार्यालय पर किसानों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें खेती को अधिक लाभकारी बनाए जाने को लेकर चर्चा की गई। कंपनी के प्रबंध निदेशक कमलेश प्रसाद मिश्र द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा अनुबंधित यह किसानों की कंपनी है। जिसका उद्देश्य है कि समय के साथ किसानों को भी अधिक लाभकारी व्यवस्था से जोड़ कर सशक्त बनाना आवश्यक है। अभी तक इस कंपनी में 400किसान जुड़कर 10निदेशकों के नेतृत्व में मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं।अब तक किसानों द्वारा 5लाख रुपए तक के शेयर खरीदे गए हैं यानी प्रति किसान सदस्यों द्वारा एक हजार रुपए तक व प्रति डाइरेक्टरों द्वारा 10हजार रुपए जमा किए गए हैं। कंपनी की विशेषता बताते हुए कहा गया कि यदि किसान द्वारा अपने उत्पादन का उत्पाद तैयार किया जाय तो निश्चित तौर पर किसानों की आमदनी दुगुनी होगी और भविष्य बेहतर बनेगा। इस काम के लिए बैंक से ऋण उपलब्ध कराने में शासन-प्रशासन द्वारा सहयोग भी प्राप्त होगा। समय की मांग है कि किसानों द्वारा जैविक उत्पादन किया जाय और अधिक मुनाफा भी प्राप्त हो सके, इसके लिए विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं को भी संचालित किया गया नैडेफ -बर्मी के नाम पर लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद जब सार्थक परिणाम नहीं दिखाई दिया तो सरकार सीधे किसानों की कंपनी बनवाकर किसानों से जुड़ने के लिए प्रयासरत है। पारदर्शी तरीके से सीधे किसानों को फायदा देने के लिए भारी-भरकम अनुदान भी शासन द्वारा जारी किया जा रहा है। बैठक में उपस्थित किसानों में से 100किसानों द्वारा लगभग 100हेक्टेयर क्षेत्रफल में जैविक विधि से पूसा बासमती 1121बेरायटी का उत्पादन किये जाने की कार्ययोजना तैयार की गई जिसकी जिम्मेदारी कंपनी के डाइरेक्टर राजकुमार मिश्र को दी गई एवं सभी किसानों को बताया गया कि जैविक धान का बीज राजकुमार मिश्र द्वारा प्रदत्त किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित किसानों को बकरी पालन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कृषि वैज्ञानिक एवं सलाहकार डा.वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि यदि पालकगण चाहें तो उत्तम किश्म की नश्ल की सुलभता भी कम्पनी के माध्यम से सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम स्थल पर रामनिहोर मिश्र, अवधराज सिंह, राजकुमार मिश्र, दिनेश कुमार पटेल, रविशंकर, विजय कुमार मिश्र,विनय कुमार, रामलखन पटेल, रामप्रसाद, रामपति, विजय कुमार सिंह नेवादा,कदम्ब पटेल, सिरियाहा, छोटकी, इलाहाबादी, आदि कई ग्रामीण उपस्थित हुए।

अमेठी समाचार

थाना जगदीशपुर पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

जगदीशपुर। जगदीशपुर अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम को प्र0नि0 राकेश सिंह थाना जगदीशपुर मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 134/23 धारा 2/3(1) यू0पी0 गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त रामू सरोज पुत्र रामराज सरोज नि0 देवकली थाना जगदीशपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 21 वर्ष को देवकली चौराहे के पास से समय करीब 08:10 बजे गिरफ्तार किया गया । थाना जगदीशपुर पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जनता की सेवा के लिए समर्पित रहूंगा : पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी

गौरीगंज। अमेठी केंद्रीय मंत्री व सांसद अमेठी माननीय दीदी स्मृति ईरानी जी की प्रेरणा से जनसुनवाई कार्यक्रम रविवार को सदस्य प्रदेश परिषद पूर्व विधायक चन्द्र प्रकाश मिश्र मटियारी ने गौरीगंज में स्थित मटियारी भवन पर समस्याओं को सुना जनसुनवाई में कुल 93मामले आए जिसमें 80 मामलों को सुनकर उनका निस्तारण समय से गुणवत्तापूर्ण ढंग से संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर निस्तारण किया गया। शेष मामलों को जल्द निस्तारण के लिए कहा गया पिछली बार आए मामलों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया गया गौरीगंज की जनता जनार्दन मेरे लिए देवतुल्य है जिसका शोषण एवं प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरीगंज की जनता जनार्दन के लिए सदैव समर्पित रहूंगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं ट्रामा सेन्टर में कार्यरत डा अमित कुमार से मुलाकात कर की चिकित्सा संबंधी विषयों पर चर्चा

जगदीशपुर अमेठी। अपनी निस्वार्थ भावना एवं कुशल कार्यशैली से समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे ग्राम पंचायत भटमऊ बाजार शुक्ल अमेठी निवासी समाजसेवी एवं कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक पी के तिवारी जो कि यथासंभव सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेल, शिक्षा, कृषि एवं चिकित्सा संबंधी सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देते रहते हैं और प्रबुद्ध जनों से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करते रहते हैं जिससे समाज उन्हें सम्मानित दृष्टि से देखता है, बताते चलें कि समाजसेवी पी के तिवारी को कोरोना काल में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु तत्कालीन मुख्य चिकित्साधिकारी अमेठी सहित कई अधिकारियों एवं प्रबुद्ध जनों ने उन्हें कोरोना योद्धा सम्मान पत्र से सम्मानित किया था तभी से समाजसेवी पी के तिवारी समाज के प्रति समर्पित रहते हैं उसी क्रम में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर पहुंचकर ट्रामा सेंटर में कार्यरत अस्थि रोग विशेषज्ञ डा अमित कुमार से मुलाकात कर सामाजिक एवं चिकित्सा संबंधी विषयों पर चर्चा की एवं चिकित्सा संबंधी सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु डा अमित कुमार को संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि बतौर प्रबंधक श्री राधा कृष्ण प्रतिमा भेंट किया।

अधीक्षक ने पहली खुराक पिलाकर किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

आज से डोर टू डोर भ्रमण करेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम, शंकरगढ़ के 130 बूथों पर 9000 बच्चों को पिलाई गई खुराक

शंकरगढ़। रविवार को सीएचसी शंकरगढ़ में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। सीएचसी अधीक्षक डा. अभिषेक सिंह ने पोलियो बूथ पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का आगाज किया। अधीक्षक ने बूथों पर तैनात सभी स्वास्थ्य कर्मियों से पूरी तल्लीनता के साथ पोलियो खुराक पिलाने का निर्देश दिया। अधीक्षक डा. अभिषेक सिंह ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान रविवार से शुरू हुआ और सोमवार से आगामी पांच दिनों तक चलेगा। पहले दिन बूथों पर पोलियो खुराक पिलाई गई, जबकि सोमवार से यह अभियान डोर टू डोर चलेगा। इसके लिए विकास खंड शंकरगढ़ के सभी गांवों के लिए टीम बनाई गई है, जो घर-घर जाकर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएगी। इसके लिए उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों से भी आह्वान किया है कि वह लोग शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाकर अभियान को सफल बनाएं। पल्स पोलियो अभियान के प्रथम दिन विकास खंड शंकरगढ़ में बनाए गए सभी 130 बूथों पर 9000 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई गई। इस दौरान विकास खंड शंकरगढ़ में 24000 बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। अधीक्षक ने समस्त क्षेत्रवासियों से आह्वान किया है कि जिनके घर में शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चे हैं, उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एएनएम से संपर्क करते हुए निकटतम प्राथमिक विद्यालय, पंचायत भवन या फिर उपकेंद्र पर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं।

माहवारी चक्र के दौरान शरीर के अकड़न व कमर दर्द से घबराने की जरूरत नहीं : डॉ सोनी कुशवाहा

अखंड भारत संदेश

28 मई माहवारी स्वच्छता दिवस पर महिलाओं एवं युवतियों को दी विशेष जानकारी

रत्योरा। माहवारी चक्र महीने में एक बार होता है. सामान्य अवधि 28 से 32 दिन तक की होती है, परंतु 21 से 35 दिन तक भी सामान्य माना जाता है। किसी विशेष इलाज की आवश्यकता नहीं होती। मासिक स्राव का समय 3 से 5 दिन तक का रहता है। परंतु 2 से 7 दिन तक की अवधि को भी सामान्य माना जाता है। सामान्य रूप से एक चक्र में 20 एमएल से 60 एमएल तक का रक्त स्राव होना चाहिए। रक्त स्राव अत्यधिक हो तो चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। 28 मई माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर कोरांव बाजार में स्थित सुविधा अस्पताल की चिकित्सक डॉ श्रीमती सोनी कुशवाहा एमबीबीएस एमएस (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) ने महिलाओं एवं युवतियों को विशेष जानकारी दी हैं। इन्होंने महिलाओं एवं युवतियों को माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर कई अहम जानकारियां दी हैं। जिनका निरंतर महिलाओं एवं युवतियों को प्रयोग व उपयोग करना चाहिए। बताया है कि कई महिलाओं में मासिक चक्र के कुछ दिन पहले अथवा कुछ दिन पश्चात सफेद रंग का स्राव होता है। यह भी एक सामान्य घटना है। कई महिलाओं में मासिक के पूर्व अथवा मासिक के दौरान पेट में दर्द, कमर में दर्द, शरीर में अकड़न, थकान, कमजोरी एवं स्वभाव में चिड़चिड़ापन महसूस होता है। यह भी एक सामान्य घटना है। गर्म पानी में कपड़े को भिगो का दर्द की जगह पर रखने अथवा हल्के हाथों से मालिश करने से भी दर्द में आराम मिलता है। गर्म पानी में जीरा एवं अदरक मिलाकर पीने से भी आराम मिलता है। माहवारी के समय महिलाओं को आयरन युक्त खाद्य पदार्थ यथा अनार, हरी पत्तेदार सब्जियां, गुड़ एवं चना का उपयोग प्रचुर मात्रा में करना चाहिए। इस दौरान महिलाओं को साफ सूती कपड़ा अथवा पैड का उपयोग करना चाहिए। सूती कपड़े को गर्म पानी से धुल कर एवं अच्छे तरीके से सुखाकर ही उपयोग करना चाहिए। पैड या कपड़ा दिन में तीन से चार बार बदलना चाहिए। एक ही कपड़े का बार-बार उपयोग नहीं करना चाहिए अन्यथा चर्म रोग एवं इंफेक्शन के संभावना रहती है। पैड का उपयोग सूती कपड़े से बेहतर माना जाता है। पैड/कपड़ा बदलने के पहले एवं पश्चात हाथों को ठीक से धो लेना चाहिए। उपयोग किए हुए सेनेटरी पैड अथवा कपड़े को कागज में लपेट कर कूड़ेदान में ही फेंकना चाहिए, जहां तहाँ अथवा नाले या शौचालय में नहीं डालना चाहिए। महिलाओं को अंदरूनी सफाई कभी भी साबुन से नहीं करनी चाहिए। सादा पानी, गर्म पानी अथवा अलग से कुछ दवाएं आती है उससे सफाई कर सकते हैं। साबुन का उपयोग बाहर की तरफ सफाई के लिए किया जा सकता है। अंतः वस्त्र सूखे होने चाहिए। गीले कपड़ों से संक्रमण की संभावना रहती है। आवश्यकता पड़ने पर दो-तीन बार अंतः वस्त्र बदले जा सकते हैं। खुजली होने पर चिकित्सक से परामर्श करके पाउडर अथवा मलहम लगाना चाहिए। महिलाएं स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए मासिक के दौरान भी अपने नियमित कार्य कर सकती हैं। बच्चियां भी खेलना, व्यायाम इत्यादि जारी रख सकती हैं।

खबर संक्षेप

सादा मिजाज हक परस्त थे मौलाना अब्दुल्ला झाऊ मियां : मौलाना जैद शरीफ

मऊआइमा। मऊआइमा जलसे के दौरान मौलाना जैद शरीफ ने बताया कि मौलाना अब्दुल्ला झाऊ मियां मऊआइमा के लदाव मोहल्ला के थे। उनका असली नाम मौलाना मोहम्मद अब्दुल्ला सिद्दीकी मोहम्मदी इलाहाबादी था। वह एक रईस जमीनदार खानदान से थे। सन 1887 में वह दिल्ली चले गए वहां उन्होंने शाह बिन इसहाक से दीन की तालीम हासिल कर मऊआइमा आए। मौलाना जैद शरीफ ने बताया कि मौलाना अब्दुल्ला झाऊ मियां एक सख्त मिजाज के आलिम थे। पहले उन्होंने अपने समाज में दावते तब्लीग दी। शिर्क, बिदआत, कब्र परस्ती, ताजिदारी, तमाम खुराफ को बंद करने कि दावत दी। परन्तु उनके परिवार एंव मोहल्ला वाले उनसे नाराज हो गए। तो वह अपना रईसाना जिंदगी, तमाम जमीन, जायदाद छोड कर मोहल्ला कोट में आ गए।

मऊआइमा के कोट मोहल्ला में दीनेहक देकर वह मुबारकपुर, बनारस, सहित कोलकत्ता के जिला राजशाही चले गए जहां दीनेहक की दावत देते हुए 1938 के करीब अल्लाह को प्यारे हो गए। आज भी कोलकत्ता में उन्हें मौलवी बंगाली कहते हैं।

डीएम ऑफिस के बाहर युवती की पुलिस से नोकझोंक

पशु चिकित्साधिकारी की शिकायत करने पहुंची थीं डीएम के ऑफिस, जारी बाजार में इलाज के अभाव में एक गोवंश की मौत से आक्रोशित थीं वंशिका, घायल जानवरों को अपने घर लाकर उनके खाने व इलाज तक की जिम्मेदारी निभाती हैं , सीएम योगी कर चुके हैं वंशिका को सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में डीएम संजय कुमार खत्री से मिलने पहुंची युवती की पुलिस नोकझोंक हो गई। रक्षा एनजीओ की संचालिका वंशिका गुप्ता और पुलिस के बीच काफी देर तक तू-तू, मैं-मैं होता रहा। युवती जिलाधिकारी से मिलने की जिद पर वहीं पर धरने पर बैठ गई, करीब दो दर्जन पुलिस वाले उसे वहां से हटाने लगे तो युवती ने इसका विरोध किया। दरअसल, वह जारी बाजार में इलाज के अभाव में एक गोवंश की मौत से आक्रोशित थी। वह डीएम से मिलकर इसकी शिकायत करना चाहती थी। लेकिन वहां मौजूद पुलिसकर्मी उसे वहां से जबरन हटाने के लिए मशक्कत करते दिखे। इसका वीडियो भी वायरल हो गया है। वंशिका ने इसकी मुख्यमंत्री समेत अन्य उच्चाधिकारियों से भी कर दी है। इनका आरोप है कि यदि सही समय पर गोवंश को इलाज मिल जाता तो उसे बचाया जा सकता था।

इंस्पेक्टर ने कहा : दिमाग न खराब करो भागो यहां से : वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है वंशिका के चारो तरफ पुलिस फोर्स मौजूद है। वह रो-रोकर चिल्ला रही थी लापरवाही में उस गोवंश (बैल) की तड़पकर मौत हो गई, उसका पोस्टमार्टम होना चाहिए। इंस्पेक्टर वंशिका के पास जाते हुए कहता है दिमाग न खराब करना मेरी, चलो भाग जाओ यहां से। वंशिका की मां उससे चलने के लिए कहती हैं लेकिन वह भी जिद पर अड़ी रही कि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की शिकायत डीएम से करके ही यहां से जाएगी। बगल में महिला एसआई ने कहा, यहां इंसान की वैल्यू ही नहीं है और ये समाज सेवा करने आई हैं। वंशिका का आरोप है कि समर पटेल ने नाम के कर्मचारी ने उसके साथ बतमीजी की और उसका मोबाइल छीनने का भी प्रयास किया।

सीएम योगी वंशिका को कर चुके हैं सम्मानित : दरअसल, वंशिका गुप्ता को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सम्मानित कर चुके हैं। वंशिका घायल जानवरों को उठाकर अपने घर लाती हैं। तीन मंजिले मकान में वह दो मंजिला सिर्फ इन्हीं घायल जानवरों के लिए आरक्षित कर दिया है। उनके खाने से लेकर इलाज तक कराने की जिम्मेदारी निभाती हैं। वंशिका के एक इशारे पर मोहल्ले भर के जानवर उसके पास आ जाते हैं।

पोलियो वायरस : नाले के पानी की जांच में म्यूटेंट-6 की पुष्टि, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

प्रयागराज। नाले के पानी की जांच में पोलियो का वायरस मिला है। इसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। यह जांच रैंडम आधार पर हल्ड की ओर से कराई गई थी और पुराने शहर के गऊघाट इलाके से नाले के पानी का सैंपल जांच के लिए भेजा गया था। जांच में आई रिपोर्ट चौंकाने वाली है। बताया जाता है कि रिपोर्ट में पोलियो का म्यूटेंट-6 वायरस मिलने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों माने तो यह वायरस खतरनाक नहीं होता है और इसका शरीर पर कोई असर नहीं पड़ता है। हल्ड की ओर से हर महीने इस तरह की रैंडड सैंपलिंग कर जांच कराई जाती है । म्यूटेंट - 6 वायरस की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य महकमा हरकत में आ गया है। डॉक्टरों को अलर्ट कर दिया गया है। 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों पर इसका असर होता है। इसके मद्देनजर पोलियो टीकाकरण अभियान को और तेजी से चलाने की तैयारी की जा रही है। माना जा रहा है कि वायरस भले ही शरीर पर प्रभाव न डाल पाएगा लेकिन इसकी मौजूदगी खतरनाक साबित हो सकती है। इसको लेकर डॉक्टरों को सचेत किया गया है। रविवार से पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। यह छह दिनों तक चलेगा। सार्वजनिक स्थानों से लेकर घर-घर जाकर 05 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी। डॉक्टर आलोक कुमार का कहना है की यह वैक्सीन वायरस है जो पोलियो की खुराक में मिला होता है। इसे म्यूटेंट कहना गलत है। इससे बच्चों को कोई खतरा नहीं है।

भगवान गौतम बुद्ध प्राचीन मंदिर के मिले अवशेष

नीरज मिश्रा

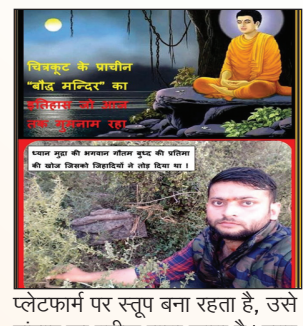

प्रयागराज। भगवान बुद्ध के बाद उनके अस्थि अवशेष पर स्तूप बनाए गए थे। बाद में अशोक ने 84 हजार स्तूप बनवाए थे। आइए हम गर्व करें अपनी धरोहर पर क्योंकि हमारे चित्रकूट जिले के लालापुर गाँव में लगभग 2200 साल पुराने बौद्ध विरासत के अवशेष बिखरे पड़े हैं जो एक बहुत बड़े प्राचीन बौद्ध तीर्थ स्थल होने की ओर इंगित करते हैं जिनकी खोज हाल ही ने मैंने की है। बिहार के प्रसिद्ध इतिहासकार व प्रोफेसर डॉ राजेंद्र प्रसाद सिंह जी के अनुसार मेरे द्वारा खोजे गए भगवान गौतम बुद्ध के प्राचीन मंदिर के अवशेष अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह एक अंतरराष्ट्रीय खोज है ऐसे ही बौद्ध वोटिव स्तूप ,जर्मनी देश के बर्लिन शहर के इथ्नोलोजिकल म्यूजियम में रखे हुए है अतः इन्होंने मेरी खोज की तुलना विदेशों में मौजूद बौद्ध विरासत के अवशेषों की हैं जिससे इस विरासत की महत्वता का पता चलता है।

क्या होता है वोटिव स्तूप : वोटिव स्तूप मन्नत का चढ़ावा होता है। इसे संकल्पित स्तूप भी कहते हैं। इसमें किसी प्रकार की वस्तु या धातु अवशेष नहीं रखा जाता। किसी की मन्नत पूरी होने पर या इच्छित वस्तु मिलने पर उपासक बड़े स्तूप के चारों ओर इसे बनवाते थे। पवित्र बोधी वृक्ष की भांति पूजनीय हैं यह वोटिव स्तूप जिस प्लेटफार्म पर स्तूप बना रहता है, उसे संसार का प्रतीक माना जाता है। स्तूप के अंदर भगवान बुद्ध ज्योर्तिमय ब्रह्म के रूप में विराजमान होते हैं। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अपने यात्रा में वोटिव स्तूप की जानकारी दी थी। स्तूप पूजा का आरंभ सम्राट अशोक के काल में शुरू हो चुका था। अशोक के बाद शुंग काल में भी स्तूप बनने लगे। उस समय की शिल्पकला में भी इसका चित्रांकन मिलता है। इसकी पवित्रता व आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए बाद में बौद्ध उपासक अपनी मन्नत पूरी होने पर स्तूप बनवाकर मुख्य स्तूप के चारों ओर रखने लगे। इन्हें ही वोटिव स्तूप कहते हैं। मूर्तिकला के विकास से पहले प्रतीक चिह्नों की पूजा की परंपरा थी। हमारे चित्रकूट के लालापुर गांव में इस वोटिव बौद्ध स्तूप का निर्माण मौर्य वंश का सबसे प्रतापी शासक अशोक सम्राट ने ही करवाया था ऐसी संभावना जताई जा रही है !

प्रथम खोजकर्ता एवं लेखकः लालापुर (चित्रकूट)।

मेजा ऊर्जा निगम में स्वच्छता के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम गत 16 मई से आगामी 31 मई तक चलेगा। इस पहल के अंतर्गत दिनांक 28 मई 2023 को प्रभात फेरी निकाली गयी, जिसमें परियोजना के कर्मचारियों तथा परिवारजनों द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण बालिका सशक्तिकरण अभियान (जेम) 2023 के प्रतिभागी रहे,जिन्होंने जनमानस को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इसके उपरांत विश्व पर्यावरण माह (मिशन लाईफ) के अंतर्गत पर्यावरण हितैषी व्यवहारों के प्रोत्साहन हेतु ऊर्जा निगम के कर्मचारियों द्वारा साइकिल रैली निकाली गयी। समारोह के अंत में परियोजना कर्मियों द्वारा ग्रामीणों के साथ मिलकर कोहड़ार बस स्टेंड के निकट श्रमदान के माध्यम से सफाई अभियान चलाया गया। इसी कड़ी में 27 मई 23 को ऊर्जा निगम द्वारा भारतीय रेल के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर मेजा रोड रेलवे स्टेशन पर भी सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने संदेश में मुख्य कार्यकारी अधिकारी केदार रंजन पाण्डु के सभी-संबन्धित को अपने आस-पास के परिक्षेत्र में सफाई रखने, कचड़े का उपयुक्त रूप से निस्तारण करने तथा प्लास्टिक के उपयोग को पूर्णतः बंद करने का आह्वान किया गया। विशिष्ट अतिथि महावीर कौजलगी, संभागीय वनाधिकारी, प्रयागराज द्वारा मेजा ऊर्जा निगम की स्वच्छता पखवाड़े के आयोजन तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा रहे विभिन्न प्रयासों के लिए प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में ऊर्जा निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, अपराजिता महिला समाज के सदस्य, ग्राम प्रधान, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सदस्य तथा परिक्षेत्र के अन्य रहवासी भी उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बनी यह ट्रेन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज से प्रयागराज वालों की पहली पसंद है प्रयागराज एक्सप्रेस दिल्ली तक जाने वाले प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन ने बीते वित्तीय वर्ष में ?2 करोड रुपये की कमाई की है यह ट्रेन एनसीआर (उत्तर मध्य रेलवे) के वित्तीय वर्ष 2022-23 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली नंबर वन बन गई है। इस ट्रेन में एक साल में 11.45 लाख लोगों ने आरक्षण कराया था। रेलवे के आंकड़ों पर गौर करें तो ट्रेन संख्या 12417 और 12418 यानी प्रयागराज एक्सप्रेस की एक दिन की कमाई करीब 22.46 लाख रुपये है कमाई के मामले में दूसरे नंबर की ट्रेन प्रयागराज से लोकमान्य तिलक टर्मिनल (मुंबई) तक जाने वाली दुरंतो ट्रेन का नाम है बीते वित्तीय वर्ष में इस ट्रेन ने करीब 53 करोड़ रुपये की कमाई की है तीसरे नंबर पर प्रयागराज से नई दिल्ली जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस है जिसकी कमाई 52.79 करोड़ और चौथे नंबर पर कानपुर से नई दिल्ली जाने वाले शताब्दी एक्सप्रेस है जिसकी बीते वित्तीय वर्ष की कमाई करीब 43 करोड़ रुपये है 38 साल पुरानी है प्रयागराज एक्सप्रेस प्रयागराज एक्सप्रेस का इतिहास 39 साल पुराना है यह ट्रेन पहली बार 16 जुलाई 1984 को दिल्ली के लिए रवाना की गई थी बीते करीब 38 साल से यह ट्रेन प्रयागराज और दिल्ली के लोगों को जोड़ रखी है इस ट्रेन की खास बात यह है कि यह प्रयागराज से दिल्ली जाने वाले ज्यादातर यात्रियों की पहली पसंद प्रयागराज एक्सप्रेस ही है।

मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस दूसरे नंबर पर

प्रयागराज एक्सप्रेस के बाद कमाई के लिहाज से दूसरे नंबर पर मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस है। सप्ताह में दो दिन चलने के बावजूद दुरंतो एक्सप्रेस ने पिछले वित्तीय वर्ष में 53.01 करोड़ रुपये की कमाई की। हालांकि, इसमें सभी कोच एसी श्रेणी के हैं एवं फ्लेक्सी फेयर भी है। अगर इसका संचालन सप्ताह में चार दिन या हर रोज होता तो कमाई के हिसाब से यह एनसीआर जोन की नंबर वन ट्रेन होती। उधर, प्रयागराज से दिल्ली जाने वाली 12275 हमसफर एक्सप्रेस से कुल 52.79 करोड़ रुपये की कमाई पिछले वित्तीय वर्ष में हुई और यह ट्रेन तीसरे स्थान पर रही। वहीं, कमाई के मामले में 12033 कानपुर शताब्दी अब चौथे स्थान पर आ गई है।

कमाई में एक बार फिर जोन की नंबर वन ट्रेन बनी प्रयागराज एक्सप्रेस, 11.45 लाख ने कराया रिजर्वेशन

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) की वीआईपी ट्रेन प्रयागराज एक्सप्रेस एक बार फिर कमाई के मामले में जोन की नंबर वन ट्रेन बन गई है। पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रयागराज एक्सप्रेस ने सर्वाधिक 82.03 करोड़ रुपये की कमाई की। इस अवधि में प्रयागराज एक्सप्रेस में आरक्षण कराने वालों की संख्या 11.45 लाख रही। वहीं, कमाई के लिहाज से प्रयागराज-लोकमान्य तिलक दुरंतो एक्सप्रेस दूसरे स्थान पर रही, जबकि कानपुर शताब्दी अब तीसरे की बजाय चौथे स्थान पर आ गई है।प्रयागराज एक्सप्रेस दिल्ली के लिए पहली बार 16 जुलाई 1984 को चली थी। बीते 38 वर्ष से यह ट्रेन प्रयागराज से दिल्ली जाने वाले यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन बनी हुई है। कोरोना काल को छोड़ दिया जाए तो इसके निरस्त होने के मौके भी अन्य ट्रेनों के मुकाबले काफी कम रहे। दिल्ली जाने वाले अधिकांश यात्री इससे ही सफर करना पसंद करते हैं।पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में गाड़ी संख्या 12417 प्रयागराज एक्सप्रेस ने कुल 41.97 करोड़ की कमाई की। इस दौरान कुल 5.75 लाख यात्रियों ने इसमें सफर किया। इसी तरह 12418 प्रयागराज एक्सप्रेस की पिछले वित्तीय वर्ष में कुल कमाई 40.06 करोड़ रुपये रही। इस दौरान 5.70 यात्रियों ने इसमें सफर किया। अप और डाउन के आंकड़ों को जोड़ लिया जाए तो प्रयागराज एक्सप्रेस से रेलवे ने पिछले वित्तीय वर्ष में 82.03 करोड़ की कमाई की। इन आंकड़ों के हिसाब से प्रयागराज एक्सप्रेस की प्रतिदिन की औसतन कमाई 22.46 लाख रुपये है।

निरस्त बहुत कम होती है कोरोना कॉल में लॉकडाउन के अलावा यह ट्रेन ज्यादा निरस्त नहीं हुई है बता दें

एक जून से नैनी नए यमुना पुल पर भारी-वाहनों के आवागमन पर लगेगा प्रतिबंध

अखंड भारत संदेश

नैनी। नए यमुना पुल पर भारी-वाहनों के आवागमन पर लगेगा प्रतिबंध यमुना पर बना नया यमुना पुल प्रयागराज के यमुना पर बने नए यमुना पुल से रीवा,बांदा और मिजार्पुर की तरफ से संगमनगरी आने वालों के लिए एक जून से रास्ता और कठिन होने वाला है वह भी कोई एक दो दिन के लिए नहीं, बल्कि पूरे तीन महीने तक इस समस्या से जूझना पड़ेगा क्योंकि नए यमुना पुल में तीन महीने तक मरम्मत का कार्य होना सुनिश्चित हुआ है। मुश्किल नए यमुना पुल पर 1 जून से बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो जाएगा। सिर्फ एक लेन ही चालू रहेगा। जिसमें छोटे वाहनों की ही आवाजाही हो सकेगी फोरलेन वाले इस नए पुल की मरम्मत में करीब 17 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है नए यमुना पुल की मरम्मत फ्रांसीसी कंपनी करेगी नैनी से शहर आने वाला रूट पूरी तरह से बंद रहेगा। जाम से निपटने के लिए पुराना यमुना पुल ही एक मात्र सहारा बनेगा। नए यमुना पुल पर वर्ष 2003 से आवागमन चालू हुआ था हर पुल की कम से कम 20 साल में इसकी मरम्मत जरूरी

होती है। वो समयावधि पूरी हो गई है इसलिए पुल का मरम्मतीकरण कराया जाना आवश्यक हो गया है प्रतिदिन करीब 40 हजार बड़े वाहनों का होता आवागमन आंकड़े के मुताबिक नए यमुना पुल से प्रतिदिन करीब 40 हजार बड़े वाहनों का आवागमन होता है ये बड़े वाहन अधिकतर रीवा, सतना से सीमेंट, शंकरगढ़, मेजा, मिजार्पुर से गिट्टी, बोल्डर, बांदा चित्रकूट से भरतकूप की गिट्टी और बालू की रेत के साथ साथ ईट भरे ट्रक ट्रैक्टर भी गुजरते है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से भी काफी वाहनों का आवागमन इसी पुल से होता है यातायात विभाग इससे संबंधित प्रक्रिया के तहत तैयारी कर रहा है पुल का बदला जाएगा वेयरिंग राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक पंकज मिश्रा ने बताया कि 1510 मीटर लंबे नए पुल के मरम्मरती करण में लगभग तीन माह का वक्त लगने की उम्मीद है नैनी से शहर आने वाले पुल मार्ग का ज्वाइंटर भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। इसे ध्यान में रखते हुए पहले इस लाइन में रिपेयरिंग की जाएगी। पुल की वेयरिंग भी बदली जाएगी। बीच-बीच में कुछ दिन के लिए आवागमन बहाल भी किया जाता रहेगा जो कंपनी अपनी सुविधानुसार निर्णय लेगी।

अतीक-अशरफ की हत्या के बाद अस्पतालों पर शासन की नजर, लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और अशरफ की कॉल्विन अस्पताल परिसर में हत्या होने के बाद सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर भी उच्चाधिकारियों की नजर है। इसको देखते हुए अब सभी सरकारी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी है। इतना ही नहीं इन सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लखनऊ में बैठे अधिकारी अस्पताल की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। इसकी शुरूआत तेज बहादुर सप्रू अस्पताल से हुई है, जहां 16 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वैसे सीसीटीवी कैमरे लगाने के पीछे डॉक्टरों और कर्मचारियों की मनमानी भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। सभी अस्पतालों की ओपीडी, पर्चा काउंटर, पैथोलाजी और एक्सरे कक्ष में उच्च तकनीकी के सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इनके जरिये लखनऊ में बैठे अधिकारी एक क्लिक पर अस्पताल का हाल देख सकेंगे। अगर कोई कर्मचारी या डॉक्टर अपनी जगह से गायब है तो उसके ऊपर आसानी से कार्रवाई हो सकेगी। इस अभियान की शुरूआत प्रयागराज में बेली अस्पताल से हो गई है। यहां एक सप्ताह पहले ही 16 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। सभी ओपीडी इन कैमरों की निगरानी में हैं। इसके अलावा दवा काउंटर, एक्सरे और पैथोलाजी में भी कैमरे लग गए हैं। इसका नतीजा यह हो रहा है कि डॉक्टर व कर्मचारी बिना कारण बताए काम के दौरान गायब नहीं हो पा रहे हैं। उनको इस बात का एहसास है कि अगर ऊपर बैठे अधिकारियों को इसकी जानकारी हुई तो उनपर कार्रवाई होना तय है।

डफरिन और कॉल्विन में जल्द लगेंगे कैमरे: तेज बहादुर सप्रू अस्पताल के बाद डफरिन और कॉल्विन अस्पताल में कैमरे लगाने की तैयारी है। इन अस्पतालों के सभी विभागों और ओपीडी में कैमरे लगेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इन कैमरों को चौबीस घंटे चालू रखा जाएगा। अगर कैमरे बंद होते हैं तो उसका कारण बताना पड़ेगा। लखनऊ में बैठे अधिकारी ऑनलाइन इन कैमरों के माध्यम से अस्पताल की हर एक गतिविधि पर नजर रखेंगे।यहां पर एक सप्ताह पहले ही 16 कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों को सभी विभागों में लगाया गया है। वहीं, डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को बता दिया गया है कि कुर्सी छोड़ने से पहले कारण बताना होगा। लखनऊ के अधिकारी अस्पताल की प्रत्येक गतिविधि पर निगाह बनाए हुए हैं।

- डॉ. एमके अखौरी, अधीक्षक, तेज बहादुर सप्रू अस्पताल (बेली)

न्यूज झरोखा

विस्तारित क्षेत्र का पहले किया जाएगा विकास : गणेश केशरवानी

झूंसी। नगरीय सीमा में शामिल क्षेत्र में विकास के लिए अधिकारियों को सर्वे करने का निर्देश दिया है। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट, टूटी सड़को को प्राथमिकता पर ठीक कराई जाएगी। बारिश से पहले सभी नालो की सफाई हो जाएगी। यह बातें नवनिर्वाचित मेयर गणेश केशरवानी ने कोटवा में स्वागत समारोह के दौरान कही। कोटवा गांव में शनिवार की शाम नवनिर्वाचित महापौर का ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। महापौर को माला पहना कर उनपर पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान बजहा प्रधान पति राजेश सिंह ने झूंसी क्षेत्र की समस्याओं से महापौर को अवगत कराया। मेयर ने कहा की सब से पहले विस्तारित क्षेत्र में ही विकास कार्य कराया जाएगा। इस दौरान कर्ण सिंह, शिवरतन सिंह, हरिशंकर मिश्रा, कोटवा प्रधान जयराम सिंह, रवि केशरवानी, अमर सिंह, उमेश सिंह, पीयूष दुबे, सुनील शुक्ला, अर्जुन सिंह, सैलू, रणविजय सिंह, गिरिजेश सिंह, अनूप सिंह, जेलर सिंह, दीपक सिंह, तारा सिंह आदि मौजूद रहे।

मोबाइल से अपने परिवार ,बच्चों को दूर रखें नही तो बर्बाद हो जाएंगे : डॉ. मौलाना अब्दुल गफ्फार

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मोबाइल से अपने बच्चों, लडकियों, युवाओं से दूर रखें यह बेहाई की तरफ ले जा रहा है। जिससे समाज में बुराइयां एंव घृणित कार्य फैल रहा है।उक्त बातें मुख्यअतिथि के रूप मौलाना डाक्टर अब्दुल गफ्फार साहब सलफी आई प्लस टीवी के मुख्य प्रवक्ता मुंबई ने मऊआइमा कस्बा के मोहल्ला कोट में आयोजित 72 वां एक दिवसीय जलसे में एकत्रित भीड से कही। डाक्टर शेखुलहदीश मौलाना अब्दुल गफ्फार साहब सलफी आई प्लस टीवी मुंबई के मुख्य प्रवक्ता ने फरमाया कि इस विज्ञान के दौर में मोबाइल भी जरुरी है।परन्तु इसका बहुत गलत इस्तेमाल हो रहा है। परन्तु आज लडकियां, लडके चैट करके समाज में गंदगी फैला रहे हैं। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों से कहा कि दहेज विहिन शादियां करो। निकाह आसान बनाओ ताकि समय पर गरीब बहन बेटियों की शादियां हो सके। मौलाना ने फरमाया की मुस्लिम समुदाय की लडकियां मोबाइल पर अपना दोस्त बना लेती हैं जबकि वह दोस्त नहीं होता बल्कि वह जिस्म का भेडिया है। मौलाना ने कहा कि चंद पल के लिए दीन को बदनाम न करों।तुम्हारा फेसबुकिया दोस्त तेरे साथ गंदा काम कर-के भाग जाएगा तुम्हें कोई समाज नहीं अपनाएगा। मौलाना ने कहा कि इस्लाम की खातून हजरत सुमैया को उसके पति, बेटों के सामने दुश्मनों ने नंगा कर दिए यहां तक जान

मऊआइमा कस्बा के मोहल्ला कोट में आयोजित हुआ 72 वां मौलाना झाऊ मियां की याद में एक दिवसीय जलसा

ले ली। मगर वह दीनेहक पर कायम रहीं। अन्त मौलाना गफ्फार साहब ने मुल्क की तरक्की, अमन चैन की एंव अल्लाह और पैगम्बर के बताए हुए रास्ते पर चलने के लिए दुआ करायी। इसके पूर्व जलसे की शुरूआत कुरआन पाक की तिलावत के साथ कारी मोहम्मद शफीक ने किया। जलसे को मौलाना मोहम्मद शफीक, मौलाना मोबीन ,मौलाना मोहम्मद तमीम मदनी आदि ने भी तकरीर की। जलसे की अध्यक्षता मौलाना असफाकुलर्रहमान तथा संचालन मौलाना जैद सलफी ने किया। उक्त जलसे के आयोजक मोहल्ला कोट के इन्तेजामिया कमेटी जामे मस्जिद अहलेहदीश का शुक्रिया अदा किया गया।

विशाल संकल्प संस्था की मेहनत रंग ला रही हैं : डॉ अंजली केसरी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विशाल संकल्प संस्था की ओर से कई वर्षों से लगातार वोट क्लब स्लम बस्ती में रह रहे लोगों को जागरूक करने के लिए संस्था समय-समय पर विभिन्न प्रकार के सामाजिक धार्मिक अभियान चलाती रहती है इसी क्रम में रविवार को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम रखा था। विशाल संकल्प संस्था की अंजलि केसरी ने बताया कि पहले की अपेक्षा सलमा बस्तियों में महिलाएं पुरुष लड़कियां अब जागरूक हो रही हैं संस्था का मेहनत रंग ला रहा है उन्होंने बताया कि हम उस समाज में रहते है जहां लड़कियों को अपने अंदरूनी कपड़े भी ढक कर सुखाना सिखाया जाता है। फिर मासिकधर्म की बात खुल कर करना,आज भी कुछ जगह हाशिए पर है।ऐसी ही जगहों में से एक है, स्लम बस्तियां, जहां वास्तव में जागरूकता की जरूरत है। विशाल संकल्प संस्था,के तत्वावधान में वोट क्लब स्लम

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर खुलकर बोली स्लम बस्ती की युवतियां

बस्ती में,विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया गया। जिसमें पहले की अपेक्षा स्लम बस्ती की रहने वाली महिलाओं तथा बच्चियों ने खुलकर के इस पर अपनी बातों को रखें । संस्था की ओर से इस जगह पर रहने वाले महिलाओं व छात्राओं को मासिक धर्म के दिनों में विशेष ध्यान देने, सफाई रखने व अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने को लेकर जागरूक किया।हाल ही में स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर ने बताया कि बस्ती की बच्चियों में इन विषयों की जागरूकता की बहुत जरूरत है।संस्था के प्रयासों के द्वारा पहले से बहुत सुधार हुआ है। जागरूकता कार्यक्रम में हर वर्ष की अपेक्षा इस बार इन बच्चियों मोनी, रोशनी, जोशी, राधिका आदि बहुत सारी बच्चियों ने इस विषय पर खुल कर बात की। इस कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिये कुछ प्रतियोगितायें भी रक्खी गयी। सैनेटरी नैपकीन के पैकेट व भोजन के पैकेट भी वितरित किया गया।

मुकेश शुक्ला को उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम का कोच नियुक्त किया गया

सिरसा। राष्ट्रीय वॉलीबाल चैम्पियनशिप में मेजा, प्रयागराज के राष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी मुकेश शुक्ला को उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम का कोच नियुक्त किया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला वालीबाल संघ, प्रयागराज के चेयरमैन एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन.एच.नाथ ने बताया कि मुकेश शुक्ला ने वॉलीबाल खेल विशेषज्ञ के रूप में एन.आई.एस कोच का कोर्स किया है, साथ ही साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फेडरेशन इंटरनेशनल डी. वॉलीबाल (एफ.आई.बी.बी) लेबल-1 बीच वॉलीबाल के कोच भी है। जिन्हें चंदन नगर (हुगली) कोलकाता, पश्चिम बंगाल में 27 मई से 1 जून 2023 तक होने वाली 45वीं राष्ट्रीय सबजूनियर बालक व बालिका वॉलीबाल चैम्पियनशिप हेतु उत्तर प्रदेश के बालकों की वॉलीबाल टीम का कोच मनोनीत किया गया है। विदित हो कि गत 11 से 14 मई 2023 तक उत्तर प्रदेश सरकार के खेल निदेशालय एवं प्रदेशीय क्रीड़ा संघ के समन्वय से आगरा जनपद में सबजूनियर बालकों की स्टेट वॉलीबाल चैम्पियनशिप हुई थी। जिसमें उत्तर प्रदेश की बालकों की वॉलीबाल टीम का प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन किया गया। चयन के पश्चात 15 मई से 25 मई तक गोरखपुर में बालक एवं बालिका टीमों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था। वहीं गोरखपुर से 26 मई को चयनित उत्तर प्रदेश की बालक टीम के सभी खिलाड़ी पूरी टीम के साथ कोलकाता के लिए प्रस्थान कर चुके है। उक्त राष्ट्रीय वॉलीबाल चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश सहित कुल 24 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं। वर्तमान में बेसिक शिक्षा में कार्यरत मुकेश शुक्ला पूर्व राष्ट्रीय वालीबॉल खिलाड़ी एवं जिला वालीबॉल संघ प्रयागराज के महासचिव आर0पी0 शुक्ला के सपुत्र हैं।

दुर्घटना में तीन हुए घायल

लालगंज, प्रतापगढ़। सड़क पर अचानक कुत्ते के आ जाने से बाइक असंतुलित हो गयी। दुर्घटना में महिलाओं समेत तीन लोग घायल हो गये। नगर के सागीपुर वार्ड के पवन शर्मा (32)रविवार को दोपहर अपनी मॉ गीता देवी (56) तथा पत्नी नीलम शर्मा (30) बाइक से रिश्तेदारी जा रहा था। लालगंज कालाकांकर रोड पर ब्लाक कार्यालय के समीप अचानक सड़क पर कुत्ता आ जाने से बाइक असंतुलित हो गयी। दुर्घटना में घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लाया गया। यहां से प्रारम्भिक उपचार के बाद घायलों को घर भेज दिया गया।

अश्वगंधा की खेती से भविष्य संवारने में जुटे किसान

बेवली में देशी औषधि की फसल पर जोर, मवेशियों से भी राहत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अच्छी कमाई के लिए कुछ किसान अब अश्वगंधा की फसल की उपज करके अपने भविष्य को संवारने में जुट गए है। मवेशी भी इस फसल को नुकसान नहीं पहुंचाते है। क्षेत्र के बेवाली गांव में कई वर्ष से कुछ किसान अच्छी कमाई करने के उद्देश्य से अश्वगंधा की खेती करने में जुट गए है।

अश्वगंधा की खेती करते किसान।

यह एक देशी औषधि है। इसकी जड़ बहुत ही उपयोगी होती है, जिसका बाजार भाव लगभग चार सौ रुपया प्रति किलो है। बेवली गांव के दिनेश सिंह ने सबसे पहले अश्वगंधा की खेती में भाग्य को आजमाया। अच्छी उपज देखकर गांव के हीरा लाल वर्मा ने भी अश्वगंधा की खेती को शुरू कर दिया। दिनेश सिंह के खेत में पहुंची दैनिक भास्कर की टीम ने खेती के बारे में बात-चीत की। दिनेश ने बताया की इसकी बुआई अगस्त माह या फिर नवंबर में की जाती है। एक बीघा में लगभग दो किलो बीज बोया जाता है। खेत ऐसा होना चाहिए की पानी न रुके साथ ही नामी भी हमेशा बनी रहे। यह छह माह में तैयार हो जाती है। एक बीघा में लगभग दो कुंतल जड़ के साथ ही तीन किलो तक बीज की भी पैदावार हो जाती है। जड़ का बाजार भाव लगभग चार सौ रुपया प्रति किलो और बीज पंद्रह सौ रुपया प्रति किलो है। एक बीघा में लगभग बीस हजार की लागत लगाने के बाद साठ हजार की बचत की जा सकती है। इस खेती में अच्छी बचत के साथ ही मवेशियों से किसी भी प्रकार के नुकसान का डर नही रहता है। अश्वगंधा की जड़ का सेवन शरीर में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज का निर्माण करता है। जो कैंसर सेल्स को खत्म करने और कीमोथेरेपी से होने साइड इफेक्ट्स से भी बचाने का काम करता है। अश्वगंधा में मौजूद ऑक्सीडेंट इम्युन सिस्टम को मजबूत करता है। जो सर्दी व जुकाम जैसी बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

काशी के पुरोहित गंगा दशहरा की महाआरती में होंगे शामिल

समिति ने की मां सई गंगा की सफाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री गंगा दशहरा महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने आज माँ सई गंगा की सफाई अभियान की शुरूआत कि। सुबह ही सभी पदाधिकारियों ने समिति के संयोजक रोशनलाल उमरवैश्य के नेतृत्व में सफाई अभियान का शुभारंभ किया। सई नदी के तट पर भारी मात्रा में पॉलिथीन अन्य कचड़े को बाहर निकाला गया तथा घाटों की सफाई भी की गई।

मां सई गंगा की सफाई करते समिति के पदाधिकारी।

समिति के संयोजक रोशनलाल उमरवैश्य ने बताया कि समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह मुन्ना भैया के निर्देशन में महोत्सव को और भव्य बनाने की कोशिश की जा रही है। उसी क्रम में आज घाटों व मां सई गंगा की सफाई की शुरूआत की गई। आज से ही मंदिर की सजावट आदि भी शुरू हो गयी है इस बार महोत्सव में और भव्यता लाने के लिए काशी से पुरोहितों की एक टीम आ रही है जो मां सई गंगा की महाआरती को और भव्य बनाएगी। सफाई अभियान में मुख्य रूप से परशुराम सेना के अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला, विवेक कुमार, प्रशांत पांडे, रघु पंडा, मनोज पंडा, सनी तिवारी, त्रिवेणी तिवारी, आशीष, सुरेश मास्टर, जग्गू पंडा, सोनू पंडा, मोनू पंडा, प्रमोद, अजय, गैंडा, अरविंद कोटेदार, भारत, दीपक, प्रदीप, विजय, बच्चा, राजू, अमन, मोनू ,पप्पू पांडे, गिरजा, गणेश, बीनू, गोलू, रविंद्र, इंद्रेश,संजय बाबा आदि उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया में वायरल एसओ की वीडियो की जाँच मे जुटे सीओ लालगंज

वायरल वीडियो में एसओ संग्रामगढ़ हत्यारोपी की कार मे बैठे हुए है

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। सोशल मीडिया पर हत्यारोपी की कार मे आगे बैठे संग्रामगढ़ एस ओ की वीडियो वायरल होने पर महकमे मे हड़कंप मच गया। जिस पर मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सी ओ लालगंज को जाँच के आदेश दे दिये। जब सीओ ने मामलें की जांच शुरू की तो संग्रामगढ़ एसओ को बचाने के लिए पुलिसिया दांव लगना शुरू हो गया सीओ वायरल वीडियो चार अप्रैल का बता रहे है और एसओ को छुट्टी लेकर कार से अपने घर जाने की बात कह रहे है जो प्लाजा टोल पर टोल टैक्स भी अदा करने की बात कर रहे है जब कि वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि संग्रामगढ़ एसओ हत्यारोपी की कार में बैठे हुए हैं। मामले में जिस तरह से सीओ अपने मातहत को बचा रहें हैं उससे साफ पता चलता है कि पुलिस इसी तरह जाँच मे लीपा पोती करके मामले को इति श्री करके अपने आला अफसर को गुमराह कर देती है।

नौनिहालों को जीवन रक्षा के लिए दी गयी खुराक

लालगंज, प्रतापगढ़। पल्स पोलियों प्रतिरक्षण अभियान को लेकर रविवार को नौनिहालों को एहतियातन खुराक दी गयी। सीएचसी में बने विशेष बूथ पर चैवन नौनिहालों को खुराक पिलाई गयी। विशेष बूथ असैनापुर गांव के शिव शंकर यादव तथा ढिगवस के वीरबल निवासी अर्पण शुक्ला के एक एक दिन के नवजात को भी पोलियों खुराक दी गयी। इसके पूर्व विशेष बूथ पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी द्वारा अभियान का समारोह पूर्वक शुभारम्भ किया गया।

धर्म की रक्षा के लिये भगवान हैं अवतरितः आचार्य

रसूलपुर गुलरहा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। संडवा चंद्रिका विकास खंड के रसूलपुर गुलरहा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन आज कथावाचक आचार्य काली प्रसाद मिश्र ने भक्त प्रहलाद के चरित्र एवं श्री कृष्ण-जन्म की कथा सुनाई।

रसूलपुर गुलरहा में आयोजित भागवत कथा को सुनते श्रद्धालु।

आचार्य जी ने कहा पृथ्वी पर जब-जब धर्म की हानि होने लगती है और दुष्ट, असुर, अधम, अभिमानी बढ़ने लगते हैं। तब-तब दुष्टों का वध एवं धर्म की रक्षा के लिए भगवान अवतरित होते हैं। द्वापर युग में कंस की दुष्ट प्रवृत्ति से जब त्राहि-त्राहि मची तब भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया। त्रेता युग में रावण व अन्य राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत करने के लिए भगवान श्री राम ने अवतार लिया। इसी प्रकार हिरण्यकश्यप आदि अत्याचारियों को नष्ट करने के लिए भगवान नारायण को विभिन्न अवतार लेने पड़े। भक्त प्रहलाद की कथा सुनाते हुए महाराज ने कहा प्रहलाद जन्म से ही नारायण का भक्त था। नारायण के प्रति अटूट आस्था थी। कितनी बार हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को मारने की कोशिश की किंतु अटूट आस्था एवं निर्विकार भक्ति के कारण भगवान ने प्रहलाद की बार-बार रक्षा की और हिरण्यकश्यप उसका कुछ न बिगाड़ सका। अंत में प्रहलाद के मान, कथन को सत्य साबित करने के लिए भगवान ने खंभे से नरसिम्हावतार लेकर दुष्ट हिरण्यकश्यप का वध किया। आचार्य जी ने कहा कि हिरण्यकशिपु को ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त था कि उसे न मनुष्य मार सकता है और न ही पशु, न दिन में मारा जा सकेगा और न ही रात में, न जल में और न ही थल व आकाश में, न घर में और न ही बाहर, न अस्त्र से और न ही किसी शस्त्र से उसकी मृत्यु हो सकेगी। ऐसे में उसका अंत करने के लिए नारायण को नरसिंह अवतार लेना पड़ा। कथा शिक्षक राम शिरोमणि त्रिपाठी एवं बैंक मैनेजर पंकज त्रिपाठी के संयोजन में आयोजित है। कथा के मुख्य श्रोताओं में शिक्षाविद लालजी त्रिपाठी, हृदय नारायण त्रिपाठी, प्रसिद्ध नारायण त्रिपाठी, प्रेमलता त्रिपाठी, डॉ छवि नारायण पांडे, राहुल त्रिपाठी, अंबिका प्रसाद त्रिपाठी, दिनेश प्रसाद त्रिपाठी, सतीश पांडे, विजय नाथ त्रिपाठी, गंगा चरण शुक्ल, जवाहर तिवारी आदि प्रमुख रहे।

जन्में कृष्ण कन्हैया मगन हुआ श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर के पूरे तिलकदास में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में चैथे दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर श्रद्वालुओं को मगन देखा गया। वही रविवार को धारूपुर क्षेत्र के पनखरी गांव में कथा को लेकर निकली शोभा यात्रा में जगह जगह श्रद्वालुओं ने पुष्प वर्षा की। पूरे तिलकदास में हो रही कथा में वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक शिवेश शास्त्री जी महाराज ने कहा की जब-जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ता है, तब-तब प्रभु का अवतार होता है। उन्होने कहा प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है।कथा के संयोजक आचार्य ज्वाला प्रसाद मिश्र ने व्यास पीठ का पूजन किया। इस मौके आचार्य मिथिलेश मिश्र, शिवांश मिश्र, चंद्र शेखर, ओम प्रकाश, अरविंद, दिलीप, संतोष, राम कृष्ण मिश्र, अजीत, अशोक, दिनेश, राजेश, सोनू, मोनू, आशीष, आशू आदि रहे। इधर धारूपुर क्षेत्र के पनखरी गांव में रविवार को श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर पूर्व शिक्षक रामराज पटवा के संयोजंन में शोभा यात्रा निकाली गयी। शोभा यात्रा धारूपुर, जलेशरगंज बाजार पहुंची तो श्रद्वालुओं को पुष्प वर्षा में मगन देखा गया। इस मौके पर बृजेश मिश्र, नवीन द्विवेदी, विवेक मिश्र, शम्भू नाथ शर्मा, राकेश चन्द्र पाण्डेय, अवधेश अग्रहरि, विजय पटवा, संतोष पटवा, शिव प्रसाद, राकेश शर्मा, राजेश मिश्रा आदि रहे।

दंत प्रत्यारोपण कार्यशाला में दी गई नई जानकारी

डाक्टर सोने लाल पटेल स्वशासी मेडिकल कालेज में हुआ आयोजन

दांत की बीमारियों को ठीक करने और प्रत्यारोपण पर हुआ लेक्चर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। डाक्टर सोने लाल पटेल स्वशासी मेडिकल कालेज में बेसिक डेंटल इंप्लांटोलॉजी विषय पर आयोजित कार्यशाला और लेक्चर कार्यक्रम में दंत प्रत्यारोपण की नई नई विधाओं की जानकारी से दंत चिकित्सक अवगत हुए।

फिजीशियन मनोज खत्री को स्मृति चिन्ह भेंट करतीं दंत चिकित्सक डा0 शिल्पी गुप्ता।

गेस्ट स्पीकर डाक्टर लक्ष्य कुमार केजीएमयू ने दांतों से होने वाली बीमारियों और उनके उपचार की नई तकनीकी की जानकारी डाक्टरों को दी। उन्होंने बताया कि दंत प्रत्यारोपण के क्षेत्र में अब नई नई विधा आ रही है। जिस पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने ब्रिज बनाया। कार्यक्रम की सूत्रधार डाक्टर शिल्पी गुप्ता ने दंत प्रत्यारोपण की विधि एंटी स्टील और सबपरियोस्टील पर विचार व्यक्त किए। इसके पहले कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ सलिल कुमार श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सक के क्षेत्र में आने वाली नई नई विधाओं का लाभ मरीजों को मिले। इस मौके प्राचार्य डॉ सलिल कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री, डाक्टर राजेंद्र सिंह, डाक्टर सिद्धार्थ सिंगौर, डाक्टर सुरभि, डाक्टर संदीप और इंडियन डेंटल एसोसियेशन से डाक्टर सुधाकर सिंह समेत कई डाक्टरों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

पशु तस्कर खोल ले गए गाय

पट्टी, प्रतापगढ़। रात में पिकअप डाला से आए पशु तस्कर गाय को खोल कर उठा ले गए। सुबह पशुपालक ने जब अपनी गाय नहीं देखी तो सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो रात में कुछ लोग गाय को खोल कर ले जाते हुए दिखे। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही करने की मांग की है। पट्टी नगर वार्ड नंबर 1 जवाहर कॉलोनी में रहने वाले शिक्षक अजय कुमार जायसवाल गलियारे में अपनी एक गाय बांधते थे। पशु तस्करों की नजर गाय पर थी। शनिवार की रात 3:15 आधा दर्जन की संख्या में पशु तस्कर पिकअप डाला लेकर पहुंचे और गाय को खोल कर बेखौफ तरीके से लेकर चले गए। आश्चर्य की बात आएगी मात्र 50 मीटर की दूरी पर सीओ कार्यालय बना हुआ है, लेकिन बदमाश गाय लेकर वहां से फरार हो गए सुबह शिक्षक अजय जायसवाल ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो मामले में प्रार्थना पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाई है।

नगर में पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारंभ

नगर अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने फीता काटकर किया उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर स्थित सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। बूथ का फीता काटकर नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

फीता काटकर उद्घाटन करते नगर अध्यक्ष अशोक जायसवाल।

स्वास्थ्य विभाग तथा शासन स्तर पर सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दो बूंद जिंदगी की स्लोगन के साथ पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। जिसके तहत पट्टी नगर स्थित सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को बूथ का फीता काटकर शुभारंभ की किया गया। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर अखिलेश जायसवाल ने बताया कि जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों को यह खुराक दी जाएगी। आगामी 5 जून तक हर घर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री आशा बहुएं तथा एएनएम दस्तक देकर बच्चों को खुराक देकर उन्हें लाभान्वित करेंगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभासद राम चरित्र वर्मा, सभासद ब्रह्म कुमार सिंह, सभासद प्रतिनिधि सजीवन सोनी, सभासद प्रतिनिधि गौरव श्रीवास्तव, सभासद मुन्ना लाल जायसवाल, सभासद प्रतिनिधि राजेश कुमार सरोज, सभासद प्रतिनिधि मोहम्मद कैफ, सभासद अतुल सिंह, पूर्व सभासद रमेश सोनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

विवाहिता की मौत पर पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। विवाहिता की फांसी के फंदे से हुई मौत को लेकर पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या एवं मायके पक्ष के लोगों के साथ गाली गलौज तथा धमकी का केस दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के अर्जुनपुर के देवापुर गांव में शनिवार को दोपहर बाद गांव के जगतपाल पटेल के पुत्र दिलीप पटेल की पत्नी अंजली की घर के अंदर फांसी पर झूलते मौत हो गयी। घटना को लेकर मृतक के पिता प्रयागराज जिले नबाबगंज थाने अईलहवा निवासी बृजलाल पटेल के पुत्र अमृतलाल ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि उसकी बेटी अंजली की शादी दिलीप के साथ एक वर्ष पूर्व हुई थी। तहरीर में कहा गया है कि शादी के बाद से ही दहेज कम मिलने को लेकर पति दिलीप तथा मृतका की सांस व ससुरालीजन उसे परेशान किया करते थे। सत्ताईस मई को दिन में दो बजे पीड़ित के दामाद दिलीप ने फोन कर अमृतलाल को बताया कि उसकी बेटी की मौत हो गयी। आरोप है कि पीड़ित जब बेटी की ससुराल पहुंचा तो लोगों ने बताया कि अंजली की फांसी लगाकर हत्या कर दी गयी है। तहरीर में यह भी कहा गया है कि मृतका ननदोई मनोज व राजकुमार ने पीड़ित तथा उसके साथ बेटी के ससुराल पहुंचे लोगों को गाली देते हुए जान लेवा धमकी भी दी गयी। इधर सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और शव को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी पति दिलीप तथा दिलीप की मॉ व मनोज तथा राजकुमार एवं दोनो ननदों के खिलाफ दहेज हत्या तथा दहेज उत्पीड़न एवं गाली गलौज का केस दर्ज किया है। वही पुलिस मृतका अंजली के पति दिलीप को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी बताई जाती है। इधर मृतका का शव पीएम के बाद यहां पहुचने को लेकर बड़ी संख्या में मायके पक्ष के लोगों को कोतवाली गेट पर शव की प्रतीक्षा में जमा देखा गया। मायके पक्ष के लोगों में घटना के दिन मृतका की ससुराल में हुए दुर्व्यवहार को लेकर गुस्सा भी देखा गया। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है मुकदमा दर्ज किया गया है आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की जायेगी।

एक साथ मासूमों समेत उठे चार शव तो दहल उठा महावलपुर

एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत पर गमजदा हुआ उदयपुर क्षेत्र

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना में एक ही परिवार के दो मासूम समेत एक साथ हुई चार मौतों को लेकर घटना के दूसरे दिन महावलपुर गांव चीत्तकार से दहल उठा। दोपहर बाद जब एक साथ चार के चार शव अंतिम संस्कार के लिए घर की डेहरी से निकले तो गांव का गांव आस पास का इलाका भी असहनीय गम में पिघल उठा नजर आया।

उदयपुर थाना के महावलपुर गांव के लल्लन सिंह का पुत्र मनोज सिंह शनिवार की सुबह अपनी पत्नी सीमा तथा दो मासूम बच्चों के साथ बाइक से ससुराल पट्टी थाना के जामताली बधवा बाजार हंसी खुशी अपनी ससुराल के लिए बाइक से निकला। पृथ्वीगंज बाजार के काल ने ऐसा खेल खेला कि मनोज के साथ उसकी पत्नी सीमा तो मौत के आगोश में आ ही गये खिलखिला रहे दो मासूम पुत्र शिवम (5) तथा बेटी सपना (8) भी निष्ठुर मौत के शिकार हो गये। पीएम के बाद देर शाम चारों मृतकों का शव घर पहुंचा तो पिता लल्लन सिंह की आंखों के सामने जैसे अमिट अंधेरे का दर्द बाहर आ गया हो।

वही मृतक मनोज की मां शंकुतला देवी बार बार अचेता हो बेटे और बहू के साथ नाती और नातिन के अब कभी न होने की पीड़ा बर्दास्त नही कर पा रही दिखी। जब मृतक मनोज का भाई नीरज कर्नाटक से घर पहुंचा और बहन बिट्टू भी चण्डीगढ़ से पहुंची तो दोपहर बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए सई तट पर लेकर निकले। फूल जैसे दोनो बच्चों के शवो को जब परिजनों ने अपने हाथ में लिया तो घर परिवार के साथ वहां मौजूद हर आंखे भर आई। सई तट पर एक ही चिता पर जनम जनम का रिश्ता बनाने का सपना सजोयें मनोज और सीमा तथा इन्ही के कलेजों के टुकड़ों को रखा गया। मनोज को उसके भाई रमेश सिंह ने तो मनोज की पत्नी सीमा को देवर प्रमोद सिंह ने मुंखाग्नि दी। दोपहर सीमा के मायके से भी उसकी मॉ तथा बुआ व अन्य रिश्तेदार पहुंचे तो मातम का माहौल और चीख पुकार में बदल गया। अतिम संस्कार के समय स्वजनों के साथ ग्रामीणो की भारी भीड़ के अलावा उदयपुर एसओ निकेत भारद्वाज भी फोर्स के साथ मौजूद रहे।

विधायक मोना ने जताया दुख

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना में एक ही परिवार के मासूम समेत चार सदस्यों की आकस्मिक मौत की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने भी गहरा दुख जताया। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने घटना को अत्यन्त दुखद ठहराते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

मानिकपुर पुलिस ने तीन हत्यारोपी को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जनपद के मानिकपुर थाना क्षेत्र के करेंटी गांव निवासी विकास कुमार पटेल पुत्र छेदी लाल पटेल की 22 मई 23 को कौशाम्बी गंगापुल के समीप आधा दर्जन लोगो ने लाढ़ी डंडा से पीट पीट कर पानी मे डुबोकर हत्या कर शव पानी मे फेक कर फरार हो गये जिसमे मृतक के भाई महेश कुमार पटेल की तहरीर पर मानिकपुर पुलिस ने अज्ञात लोगो के खिलाफ विभिन्न धाराओं मे हत्या का मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपियों को घटना के दौरान वायरल वीडियो के आधार पर चिन्हित कर पकड़ने के प्रयास मे लग गई जिसमे दो हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया इसके बाद तीन हत्यारोपी को शनिवार को कौशाम्बी जनपद निवासी अम्बुज कुमार पुत्र शैलेन्द्र विश्कर्मा, राजन पुत्र देनाऊ पासी व अनवर पुत्र अतिउल्लाह को थाना क्षेत्र के मानिकपुर रेलवे स्टेशन से भोर पहर मुखबिर की सूचना पर ट्रेन से भागने के पहले गिरफ्तार कर विधिक कारवाई करते हुए लिखा पढ़ी करके जेल भेज दिया घटना को अंजाम देने वाले आप तक पांच अभियुक्त जेल जा चुके है।

खबर संक्षेप

ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का 15 जून तक अवकाश घोषित

कौशाम्बी। भीषण गर्मी एवं लू की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का दिनॉक 15 जून .2023 तक डीएम नव अवकाश घोषित किया हैं। घोषित अवकाश अवधि में सभी ऑगनबाड़ी केन्द्र खुले रहेंगे तथा ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियॉ, मिनी ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियॉ एवं सहायिकाओं द्वारा ऑगनबाड़ी केन्द्र की अन्य आवश्यक सुविधाएं यथा-गृह भ्रमण, सामुदायिक गतिविधियां, टीकाकरण, ड्राई राशन का वितरण एवं पोषण ट्रैकर पर लाभार्थी फीडिंग आदि शासकीय कार्यों का निष्पादन पूर्वत की तरह किया जायेगा।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त बोड़ा पासी पुत्र केशनाथ निवासी शम्भुई थाना सैनी को शम्भुई नहर पुलिया के पास से 1150 ग्राम नाजायज गाजा के साथ गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

प्रेम जाल में फंसाकर बालिका की आबरू लूटने के बाद बेरहमी से किया कत्ल

अखंड भारत संदेश

गड्ढा खोदकर बालिका की लाश दफन करने के बाद हत्यारों ने नमक से भर दिया गड्ढा आरोपी को जेल भेजने के बजाय पुलिस ने थाने में तय कराई थी बालिका की शादी

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के चक थाम्भा गांव के नथन लाल यादव पुत्र सूरज बली की नाबालिग बालिका बन्दना फतेहपुर जनपद के धाता थाना अंतर्गत अजरौली पल्लावा गांव के मोनू यादव पुत्र रामदत्त से प्रेम मोहब्बत करती थी प्रेम मोहब्बत के चलते साथ जीने मरने की कसम खाकर प्रेमी युवक मोनू यादव के बहकावे में फँसकर कई महीने पूर्व बालिका अपने प्रेमी युवक के साथ फरार हो गई थी बालिका के परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दिया पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल के बाद बालिका को बरामद करते हुए दोनों को बालिग बता कर युवक के साथ बालिका की शादी करा दी बालिका के माता-पिता मुकदमा दर्ज कर युवक को जेल भेजने की जीत पर पड़े रहे लेकिन आरोपी युवक के परिजनो ने मुकदमे से पीछा छुड़ाने के लिए शादी तो कर लिया लेकिन उन्हें यह बात ठीक नहीं लगी और बालिका को रास्ते से हटाने की ठान ली और अंततः बालिका की बेरहमी से हत्या कर उन्होंने बालिका को रास्ते से हटा दिया। इसी बीच प्रेम मोहब्बत करने वाली बालिका की लाश युवक के गांव अजरौली पल्लावा के बाहर गड्ढे में मिली है बालिका की बड़ी बेरहमी से हत्या के बाद सोची समझी साजिश के तहत गड्ढा खोदकर लाश दफन करने के बाद गड्ढे को नमक से भर दिया गया है जिससे लाश गल जाए और बालिका की शिनाख्त खत्म हो जाए लेकिन मामले की जानकारी ग्रामीणों के जरिए बालिका के मायके तक पहुंच गयी मायके के लोगों ने धाता पुलिस को तहरीर देते हुए प्रेमी युवक उसके भाई उसकी मां बहन और उसके परिजनों पर बालिका की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है जानकारी मिलते ही रोते बिलखते बालिका के परिजन पहुंच गए हैं सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुँच गई है जब नमक हटाकर गड्ढा खोदा गया तो नीचे बालिका की लाश मिली है पुलिस ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बालिका की मौत ने अपने पीछे तमाम सवाल छोड़ दिए हैं।

पुलिस द्वारा झूठे तरीके से बालिका को बालिग साबित कर देना बना हत्या का कारण!

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली के चक थाम्भा गांव की बालिका बन्दना को प्रेम जाल में फंसा कर बालिका की आबरू लूटने के बाद बेरहमी से कत्ल के मामले में जिस माँ ने बालिका को जन्म दिया पुलिस के सामने वह माँ बालिका को नाबालिग साबित करने के लिए परेशान रही जिस पिता ने बालिका का स्कूल में दाखिला कराया वह पिता भी बालिका को नाबालिग साबित करने के लिए पुलिस के सामने परेशान रहा बालिका के जन्म संस्कार में शामिल होने वाले रिश्तेदारों ने भी बालिका को नाबालिग बताया लेकिन पुलिस उन रिश्तेदारों की भी बातों को मानने को तैयार नहीं हुई बालिका के माता-पिता द्वारा दिए गए अभिलेखीय साक्ष्य को भी पुलिस ने झूठा करार दिया और आरोपी युवक के परिजनों की बात मानते हुए पुलिस ने बालिका के माता-पिता को झूठा करार दिया बालिका को भगा ले जाने वाले युवक और उसके परिजनों की दलील पर थाना पुलिस ने बालिका को बालिग करार देते हुए बालिका को युवक के जिम्मे सौंप दिया युवक के घर पहुंचने के बाद बालिका का उत्पीडन शुरू हो गया जिस पर बालिका अपने पिता के घर जाने के लिए जिद करने लगी पिता के घर जाने की बात युवक के परिजनों को ठीक नहीं लगी युवक के परिजन सोचने लगे कि यदि बालिका अपने माता पिता के पास पहुंच गयी तो बालिका नाबालिग साबित हो जाएगी और बालिका के नाबालिग साबित होने पर रेप अपहरण पास्को एक्ट में उसके आरोपी बेटे को जेल जाना पड़ेगा और इसी उधेड़बुन में युवक के परिजनों ने नाबालिग बालिका की बड़ी बेरहमी से हत्या कर लाश दफन कर दी।

रेलवे ट्रैक पर मिला दो टुकड़ों में बृद्ध का शव

कौशांबी। सांदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज पुलिस चौकी के अंतर्गत जलालपुर रेलवे फाटक रेलवे लाइन पर एक वृद्ध का धड़ से कटा हुआ दो टुकड़ों में शव मिला है रेलवे लाइन पर दो टुकड़ों में शव मिलने की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई पुलिस ने बृद्ध के शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन काफी प्रयास के बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है मृतक की उम्र लगभग 65 वर्ष बताई जाती है मृतक बृद्ध के शव से उसका धड़ अलग है बृद्ध की कैसे मौत हुई है पुलिस का कहना है कि ट्रेन से कटकर मौत हुई है मौके की परिस्थिति ट्रेन हादसे से इंकार कर रही है यदि बृद्ध ट्रेन से गिर गया होता तो धड़ से शरीर अलग होने के बजाए शव क्षत विक्षत हो गया होता ट्रेन की टक्कर से भी शव क्षत-विक्षत हो गया होता इलाके के लोगों का कहना है कि ट्रेन हादसे में धड़ से शरीर अलग होने का सवाल ही नहीं उठता पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखवा दिया है।

बंद घर का ताला तोड़कर नगदी जेवर सहित 12 लाख का सामान उठा ले गए बेखौफ चोर

अखंड भारत संदेश

करारी कौशाम्बी। करारी थाना के स्थानीय कस्बे में बन्द घर का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवर नगदी सहित 12 लाख कीमत का सामान बेखौफ चोर उठा ले गए हैं घर में ताला बंद कर परिवार के लोग ज्यारत करने गए थे मौका मिलते ही आधी रात को घर में घुसे चोर घर खंगाल ले गए ,चोर बंद घर के मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और लगभग 9 लाख से अधिक कीमत के सोने चांदी के जेवर सहित तीन लाख रुपए नगद की चोरी कर ली है ज्यारत करने गए परिवार जब वापस लौटे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई है मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है खबर लिखे जाने तक पुलिस किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है ज्यारत कर देर रात वापस लौटे परिवार ने मेन गेट का ताला टूटा देखा तो होश उड़ गए ,अंदर जाकर देखा तो चोर सोना चांदी के साथ साथ लाखो की नगदी भी उठा ले गए है घटनाक्रम के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के स्थानीय कस्बे के हजरतगंज मोहल्ले निवासी गेस्ट हाऊस चला रहे शुएब पुत्र मोहम्मद अमीन 26 मई को घर मे ताला बन्द कर ज्यारत करने देवा शरीफ गए हुए थे, शुएब और उनका परिवार देर रात ज्यारत कर वापस लौटा तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ देखा तो हड़कंप मच गया,अंदर जाकर देखा तो घर के अंदर आलमारी और बक्से के ताले तोड़कर चोरों ने सोने चांदी के जेवर और नगदी रुपए सहित लगभग बारह लाख रुपए से अधिक के समान पर हाथ साफ कर दिया है चोरी की घटना देखकर उनके होश उड़ गए मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की है खबर लिखे जाने तक घटना के खुलासे के मामले में पुलिस किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है।

तालाब के अस्तित्व बचाने को सुप्रीम कोर्ट दे रहा निर्देश

अखंड भारत संदेश

तहसील प्रशासन की लापरवाही से सरकारी तालाब से मिट्टी खुदाई में लगे जेसीबी संचालक

कौशाम्बी। तालाब के अस्तित्व को बचाने के लिए हिंचलाल तिवारी बनाम अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को कड़े निर्देश दिए हैं लेकिन उसके बाद भी तालाब के अस्तित्व पर तहसील प्रशासन की लापरवाही से संकट मंडरा रहा है जेसीबी संचालक बेखौफ तरीके से तालाब से मिट्टी खनन कर रहे हैं और तहसील का कोई जिम्मेदार अधिकारी जेसीबी संचालक पर मुकदमा दर्ज कराकर जेसीबी मशीन सीज करने को तैयार नहीं दिखाई पड़ रहा है जिससे तालाब की मिट्टी अवैध तरीके से खनन करने में लगे जेसीबी संचालकों के हौसले बुलंद है और बेखौफ तरीके से तालाब की मिट्टी खनन की जा रही है जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली के पुलिस चौकी नारा के अन्तर्गत खेरवा गांव के प्राथमिक विद्यालय के पीछे तालाब में रात के अधेरे में धड़ल्ले से जेसीबी मशीन तालाब की मिट्टी की खुदाई कर रही है जिससे तालाब के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है तालाब में मिट्टी खनन कर रहे लोगों को प्रशासन का तनिक भी खौफ नहीं है अवैध खनन में लगे लोगों पर तहसील प्रशासन भी कार्यवाही करता नहीं दिख रहा है जिससे सरकारी तालाब के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है इलाके के लोगों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवैध तरीके से तालाब में खनन करने वाले लोगों पर मुकदमा दर्ज कराकर उनकी जेसीबी मशीन सीज करने और तालाब की अवैध तरीके से मिट्टी खनन पर रोक लगाने की मांग की है साथ ही साथ तालाब से जो मिट्टी का खनन जेसीबी संचालक ने किया है उस मिट्टी को जेसीबी संचालक से वापस तालाब में डलवाने की मांग इलाके के लोगों ने किया है।

न्यूज झरोखा

अपर पुलिस अधीक्षक ने कौशाम्बी थाना का किया औचक निरीक्षण

कौशाम्बी। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कौशाम्बी का औचक निरीक्षण किया गया तथा थाना कार्यालय सीसी टीएनएस कक्ष, अपराध रजिस्टर, मालखाना , अन्य रजिस्टरों व अभिलेखों को चेक किया गया एवं उनको अध्यावधिक रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया गया एवं बैरकों और थाना परिसर के अन्य भवनों का भी निरीक्षण किया गया तथा साफ सफाई हेतु निर्देशित किया गया। कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी व सुदृढ़ बनाए रखने हेतु सर्वसम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

दावत से लौट रहे बाइक सवार पेड़ से टकराए चार लहूलुहान

कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के भागू का पुरवा गांव निवासी पिंटू अपने साथी यश और गुड़िया वा एक अन्य युवक के साथ बाइक से दावत खाने सैनी कोतवाली क्षेत्र के लुटिया गांव गए थे दावत खाने के बाद बाइक सवार चारों लोग एक बाइक से वापस भागू का पुरवा जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के कमालपुर के पास पहुंचे बाइक सवार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गए हैं जिससे बाइक सवार चारो लोग सड़क पर गिर पड़े हैं और घायल हो गए हैं हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे हैं मामले की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी गई है आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां पिंटू और यश की हालत गंभीर बताई जाती है मामले की जानकारी परिजनों को दी गई है जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए हैं।

ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन लोग घायल

कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज पुलिस चौकी अन्तर्गत बलिहांवा मोड़ के पास एक ई रिक्शा बचाने के चक्कर में ट्रक और कार की टक्कर हो गई कार में मोहन लाल पुष्पा प्रिया सहित चार लोग निवासी जीवन गंज सवार थे जिसमे मोहन लाल पुष्पा प्रिया सहित तीन लोगो को चोट आई है कार में सवार मोहन गंभीर रूप से घायल है मोहन लाल परिवार सहित दावत जा रहें थे तभी बलिहावां गांव के पास मोड़ पर एक बेकाबू ट्रक वाले ने जोर दार टक्कर मर दी जिससे चालक समेत तीन लोगों को चोट आई है सूचना पर पहुंची मूरतगंज चौकी पुलिस ने ट्रक चालक इंद्रा लाल पटेल और ट्रक को हिरासत में लेते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया है

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्नथानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लघन करने वाले 215 वाहनों का ई-चालान किया गया व तीन वाहन से 1500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया तथा एक वाहन को सीज किया गया।

शराब के साथ चार अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद मे अवैध शराब के निर्माण एंव तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अलग अलग थानों द्वारा चार अभियुक्त को गिरफ्तार कर कब्जे से 38 लीटर अवैध शराब बरामद होने पर अभियुक्तों का चालान न्यायालय कर दिया है जानकारी के मुताबिक थाना संदीपनघाट पुलिस बल द्वारा अभियुक्त फूलगेन्द्र पुत्र स्व० पुरुषोत्तम निवासी बसेढी थाना संदीपनघाट को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पक्षात अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है इसी प्रकार थाना पिपरी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त फूलचन्द्र रैदास पुत्र सूरज रैदास निवासी लौधोर थाना पिपरी को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है इसी प्रकार थाना पश्चिम शरीरा पुलिस बल द्वारा अभियुक्त भोला पुत्र इन्द्रपाल निवासी व थाना पश्चिम शरीरा को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है इसी प्रकार थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा अभियुक्त मिठाई लाल पुत्र स्व0 मेवालाल निवासी दशरथपुर थाना कोखराज को 08 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है।

चोरी के मंगलसूत्र व पर्स के साथ अभियुक्ता गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सरायअकिल पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मसुरिया माता मंदिर ग्राम किशनपुर अम्बारी के पास से किसी अज्ञात महिला द्वारा पर्स, आधार कार्ड व गहना चोरी कर लिया गया है इस सूचना पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत किया गया मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मन्दिर में हुई पर्स चोरी की घटना में संलिप्त महिला फकीराबाद चौराहे पर मौजूद है जिस पर तत्काल थाना सराय अकिल पुलिस महिला आरक्षी सोनम वर्मा द्वारा मुखबिर के बताये हुए स्थान पर पहुंचकर अभियुक्ता शांती देवा पत्नी मूलचन्द्र पासी निवासी ग्राम बंधवा थाना करारी के पास से लूटी गयी पर्स व उसमें रखा 1120 रुपए नगद, आधार कार्ड व एक अदद चोरी के मंगलसूत्र बरामद होने पर गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्ता को न्यायालय भेज दिया है।

मजदूरों के साथ प्रतापगढ़ के लकड़हारों ने कौशांबी में डाला डेरा

पेट्रोलिंग आरा मशीन के जरिए लकड़हारों ने काट दिया नीम महुआ सहित दर्जनों हरे फलदार वृक्ष

अखंड भारत संदेश

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र में इन दिनों प्रतापगढ़ जनपद के लकड़हारो ने दर्जनों मजदूरों के साथ डेरा जमा लिया है सुबह से देर शाम तक कुल्हाड़ी और पेट्रोलिंग आरा मशीन से हरे भरे फलदार पेड़ों की कटाई में प्रतापगढ़ के लकड़हारे मजदूरों के साथ जुटे हुए हैं लेकिन कौशांबी के वन विभाग के अधिकारियों को प्रतापगढ़ के लकड़हारों के कौशांबी में पेड़ कटान की जानकारी नहीं मिल पा रही है जिससे कौशांबी की हरी भरी धरती वीरान होती दिख रही है बताया जाता है कि प्रतिदिन कई दर्जन हरे फलदार पेड़ काटकर यह लकड़हारा कई ट्रकों में भरकर ले जा रहे हैं स्थानीय पुलिस भी हरे पेड़ के कटान में लगे लकड़हारों पर कार्यवाही करती नहीं दिख रही है जानकारी के मुताबिक सिराथू तहसील क्षेत्र के कोखराज थाना अंतर्गत तरसौंरा कछार सहजादपुर कछार सहित आसपास इलाके में प्रतापगढ़ जनपद के लकड़हारे ने कई महीने से डेरा जमाया है सैकड़ों पेड़ काटकर लकड़ी माफिया उठा ले गए हैं बीते 4 दिनों के बीच में इलाके में दर्जनों नीम के हरे पेड़ फलदार हरे महुआ का पेड़ काट दिया है इन लकड़ी माफियाओं का इलाके में हरे पेड़ो का कटान जोरो पर चल रहा है बिना ट्रांजिट परमिट के एक स्थान से दूसरे स्थान काटे गए हरे पेड़ की लकड़ियां प्रतापगढ के लकड़ी माफिया पहुंचा रहे हैं बताया जाता है कि अवैध तरीके से चलने वाली आरा मशीनों में हरे पेड़ों की लकड़ियां पहुंचाई जा रही हैं लेकिन आरा मशीनों की चेकिंग भी वन विभाग के अधिकारी और पुलिस नहीं कर पा रही है इलाके के लोगों ने हरे भरे पेड़ों की कटान पर रोक लगाए जाने की मांग करते हुए अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराकर लकड़ी माफियाओ पर मुकदमा दर्ज करा कर काटी गई लकड़ियों को बरामद कराना और लकड़ी माफियाओं पर कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

ग्रामवासियों की समस्याओं को सीडीओ ने सुना

सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के सीडीओ ने दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

करारी कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत सौरई बुजुर्ग में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल में ग्रामवासियों की समसस्याओ को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दियें तथा ग्रामवासियों को केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्राम चौपाल में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ए.के. सागर, जिला दिव्यागजन सशक्तिकरण अधिकारी अभिषेक उपाध्याय, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अश्वनी कुमार एवं बीडीओ-कड़ा विजय कुमार त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बयान को लेकर भाजपा नेताओं की जमकर हो रही छीछालेदर

अखंड भारत संदेश

भाजपा के बड़के नेता अपनी सरकार की कमजोरी को ट्रिपल इंजन की सरकार कहकर बखूबी तरीके से कर रहे हैं बयान

बड़ बोलेपन पर योगी मोदी सरकार को कमजोर साबित कर रहे हैं भाजपा के बड़के नेता

कौशाम्बी। नगर निकाय चुनाव के बाद जहां देखो भाजपा के बड़के नेता ट्रिपल इंजन सरकार की बात कर भाजपा सरकार की मजबूती में छाती पीट रहे हैं लेकिन जनता भाजपा नेताओं के इस बयान पर जमकर ठहाका मारकर हंसते हुए चुटकी ले रही है जहां भाजपा के बड़के नेता ट्रिपल इंजन की सरकार की बात कर विकास कार्यों को सुचारू संचालित करने की बात कर रहे हैं वहीं आम जनमानस का कहना है कि जब एक इंजन कमजोर होता है तो पहले इंजन के सहारे के लिए दूसरा इंजन लगाया जाता है और जब दूसरा इंजन भी कमजोर हो गया तो पहले और दूसरे इंजन को सहारा देने के लिए तीसरा इंजन लगाना पड़ा है अब जब ट्रिपल इंजन की सरकार है तो यह किलियर है कि पहले के दोनों इंजन कमजोर हो चुके हैं और उन्हें अभी उम्मीद है कि तीसरा इंजन उनकी सरकार की नैया पार लगाएगा लेकिन यह संभव नहीं लगता है भाजपा के बड़के नेताओं के बयान से यह साबित हो रहा है कि पहले के दोनों इंजन की सरकारें कमजोर हो चुकी हैं आम जनमानस का कहना है कि भाजपा के बड़बोले नेता अप्रत्यक्ष रूप से ट्रिपल इंजन की सरकार कहकर योगी मोदी सरकार को कमजोर साबित करने में लगे हैं भाजपा के बड़के नेता हकीकत तो कहीं नहीं बयान कर रहे हैं आम जनमानस का कहना है कि ट्रिपल इंजन की सरकार किसी कीमत पर मजबूत नहीं हो सकती है जब पहला इंजन कमजोर होता है तभी दूसरे इंजन को लगाने की जरूरत पड़ती है और जब पहले के साथ दूसरा इंजन भी कमजोर निकल जाता है तो तीसरे इंजन को लगाने की जरूरत पड़ती है और भाजपा के बड़के नेता अपनी सरकार की कमजोरी को ट्रिपल इंजन की सरकार कहकर बखूबी तरीके से बयान कर रहे हैं।

कारागार मंत्री के बयान की जमकर होती रही निंदा

कौशांबी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर में अध्यक्ष एवं सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए कारागार राज्य मंत्री सुरेश शाही ने पासी समाज को ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देते हुए कहा कि अब जिले में विकास की पहिया तेजी से बढ़ेगी कारागार राज्य मंत्री के विवादित बयान को लेकर अन्य समाज के लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है कारागार राज्यमंत्री ने नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष की जीत का श्रेय पूरी तरह से पासी समाज के लोगों को दे दिया है जिससे नगर क्षेत्र के लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है और कारागार राज्य मंत्री के विवादित बयान के बाद नगर में उथल-पुथल मचा रहा नगर के लोगों ने कारागार राज्य मंत्री के बयान की जमकर निंदा की है और कहा है कि कारागार राज्य मंत्री के बयान का मुंहतोड़ जवाब आने वाले लोकसभा चुनाव में नगर क्षेत्र की जनता देगी विवादित बयान देकर कारागार राज्यमंत्री ने आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए गड्ढा खोद दिया है।

शपथ ग्रहण समारोह में लोधी समाज के नेताओं को नहीं दिया गया तवज्जो

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष और सभासदों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में आपसी खींचतान साफ-साफ दिखाई पड़ी है कभी डिप्टी सीएम के कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष महेश लोधी मंच की शोभा बढ़ाते थे लेकिन नगर पालिका के अध्यक्ष सदस्य के शपथ ग्रहण समारोह में महेश लोधी को मंच में स्थान नहीं दिया गया है जिस पर भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश लोधी ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जब चुनाव का टाइम था तब उप मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मंच पर जगह दी जाती थी और आज शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम में मंच में जगह न मिलने से लोधी समाज के लोग अपने को उपेक्षित महसूस करने लगे हैं जिसका खामियाजा आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को भुगतना पड़ सकता है।

संपादकीय

अनिवार्य है समान नागरिक संहिता

डॉ. सूर्य प्रकाश अग्रवाल

भारत के संविधान में लिखित समान नागरिक संहिता (यूसीसी-यूनिफार्म सिविल कोड़)को लागू करने के लिए गुजरात व उत्तराखंड़ राज्यों की सरकारों ने एक कमेटी गठित की है जिनकी रिपोर्ट आने वाली है। भारतीय जनता पार्टी ने हिमाचल प्रदेश के विधान सभा के चुनावों के लिए जारी किये अपने घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता लागू करने का वायदा किया था। परन्तु हिमाचल प्रदेश में सरकार कांग्रेस की बन गई तो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व वकील अभिषेक मनु सिंधवी ने हिमाचल प्रदेश भाजपा के घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता का उल्लेख होने पर यह कहा कि कि कांग्रेस भी इस समान नागरिक संहिता के पक्ष में है। परन्तु सरकार को इस विषय पर आम सहमति बना लेनी चाहिए न कि इस विषय पर राजनीति की जाय। कांग्रेस को यह तो समझ में आ ही गया है कि वह समान नागरिक संहिता के मामले में नकारात्मक रवैया अपना कर घाटे में रहेगी जैसा कि उसने शाहबानों और तीन तलाक के मामले में अपनाया था। अतः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी व खड़गे को समान नागरिक संहिता के पक्ष में अपनी बात सार्वजनिक रुप में जोरदार तरीके से रखनी चाहिए। समान नागरिक संहिता क्या हैः समान नागरिक संहिता वह विचार है जिसे लागू करने का समय आ गया है क्योंकि यह संविधान सम्मत है तथा 26 जनवार 1950 से ही संविधान में उल्लिखित की गई है। देश के सभी भारतियों पर एक विषय में एक कानून लागू किया जाय। समान नागरिक संहिता में होने वाले कानून से विवाह, विरासत, उत्तराधिकार, दत्तक, तलाक, जमीन व मकान की संपत्ति के मालिकाना हक, दहेज, वक्फ, अभिभावक अधिकार, भेंट, दान से जुड़े कानूनों और धर्म, जाति, सम्प्रदाय व संस्कृति के भेदभाव से देश की जनता को मुक्ति मिल सकेगी। समान नागरिक संहिता एक ऐसा कानून है जो देश के प्रत्येक समुदाय चाहे वह हिन्दू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो, जैन हो अथवा बौद्ध हो, पर समान रुप से लागू होता है। व्यक्ति चाहे किसी भी धर्म, जाति, पंथ अथवा क्षेत्र का हो सब के लिए सिविल कानून एक ही होगा परन्तु संविधान में इसकी स्वीकृति के उपरान्त भी समान नागरिक संहिता लागू नहीं की जा सकी है।

अब गुजरात व उत्तराखंड़ को समान नागरिक संहिता पर शीघ्र से शीघ्र कोई प्रारुप जनता के सामने लाकर उस पर बहस शुरू करवानी चाहिए। परन्तु यह भी अच्छा होता कि भाजपा शासित राज्यों में यह प्रक्रिया शुरू हो जाती न कि सिर्फ चुनावों के आगमन पर ही समान नागरिक संहिता का मुद्दा गमार्ता है और सबसे उपयुक्त तो यह होता कि केन्द्र सरकार को पहल करनी चाहिए क्योंकि समान नागरिक संहिता सम्पूर्ण देश की आवश्यकता बन गई हैं। समान नागरिक संहिता इसलिए भी और महत्वपूर्ण हो गई है कि विवाह, संबंध विच्छेद, उत्तराधिकार आदि व्यक्तिगत मामलों के मुकदमों की संख्या न्यायालयों में गम्भीर स्थिति में पंहुच गई है। इन मुकदमों की संख्या तथा न्यायालयों पर बोझ तभी कम हो सकता है जबकि देश में केन्द्र सरकार के द्वारा समान नागरिक संहिता को लागू कर दिया जाय। गैर भाजपा शासित राज्यों को भी भारतियों की भलाई के लिए समान नागरिक संहिता को लागू करने की पहल करनी चाहिए। जबकि दंड़ के प्रावधान जो आई पी सी में है वह सब समुदायों के लिए समान है। उसके लिए अपराधी का धर्म, मजहब, जाति, आदि नहीं देखी जाती है। समान नागरिक संहिता भारतीय जनता पार्टी का पुराना एजेंड़ा रहा है। परन्तु मात्र चुनाव के समय ही इस पर चर्चा होती रही है। कांग्रेस ने इसे चुनावी स्टंट कहा है तथा कहा है कि ऐसा कानून बनाने का अधिकार मात्र संसद को है। समान नागरिक संहिता में होने वाले कानून से विवाह, विरासत, उत्तराधिकार, दत्तक, तलाक, जमीन व मकान की संपत्ति के मालिकाना हक, दहेज, वक्फ, अभिभावक अधिकार, भेंट, दान से जुड़े कानूनों और धर्म, जाति, सम्प्रदाय व संस्कृति के भेदभाव से देश की जनता को मुक्ति मिल सकेगी। गुजरात, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड़ में समान नागरिक संहिता के निर्माण के लिए समिति बन चुकी है उनकी रिपोर्ट आना बाकी है। समान नागरिक संहिता मात्र हिन्दुओं के लिए ही आवश्यकत नहीं है। इसका महत्व देश की दूसरे प्रमुख समुदाय मुसलमानों के लिए भी महत्वपूर्ण है परन्तु मुसलमानों को इस मुद्दे पर राजनीति करके भड़काया जा रहा है जो देश की एकता व अखंड़ता के लिए अनुकूल नहीं है। परन्तु अब कुछ मुस्लिम धर्मिक व सामाजिक संगठन समान नागरिक संहिता के पक्ष में अपने विचार प्रगट करने लगे है। उनके अनुसार देश के विकास व सभी देशवासियों के हित में एक समान कानून समय की जरुरत है। इस मुद्दे पर राजनीति करने वाले मुस्लिम संगठनों से भी समाज को बचना चाहिए तथा इन पर नकेल कसने की पैरोकारी की है। मौलाना सुहैब काजमी (अध्यक्ष, जमात उलेमा-ए-हिन्द) ने कहा है कि अमेरिका, कनाड़ा व जापान जैसे कई अन्य देशों में एक देश व एक कानून है। वहां का मुस्लिम समाज भी उसी कानून से बंधा हुआ है। भारत का मुस्लिम भी समान अधिकार चाहता है। होश तो कट्टरपंथियों को आना चाहिए जिन्होंने तीन तलाक कानून का भी विरोध किया था। ड़ॉ उमैर अहमद इलियासी (चीफ इमाम, आल इंड़िया इमाम आर्गनाइजेशन) का कहना है कि राष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए बल्कि इसे समझ कर आगे बढ़ना चाहिए। भारत विश्व गुरु बनने जा रहा है ऐसे में हर भारतीय की जिम्मेदारी है कि वह राष्ट्र हित में सोचे। मुस्लिम समाज का भी समान नागरिक संहिता के मामले को भी गंभीरता से लेना चाहिए। ड़ॉ एम जे खान (अध्यक्ष, इंड़ियन मुस्लिम फॉर प्रोग्रेस एंड़ रिफार्म्स (इम्पार)) ने कहा कि अपना भारत देश सांस्कृतिक व धार्मिक विविधता वाला देश है। अगर किसी कानून से देश का विकास बाधित होता है तो उसमें जरुर बदलाव लाया जाना चाहिए लेकिन इसमें विविधता का भी सम्मान होना चाहिए। इससे एक अच्छा समाज विकसित होगा।

मलबे में बदला बैकुण्ठ धाम, पवित्र धाराएं गायब

जयसिंह रावत/प्रकाश कपरूवाण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के नाम पर हिन्दुओं के पवित्र स्थल बदरीनाथ को पर्यटन स्थल में बदलने की सनक ने आज बदरीनाथ पुरी को मलबे के ढेरों और खडहरों के जंगल में तब्दील कर दिया है।भारी मशीनों से अलकनन्दा तट समेत जहां तहां खुदायी के कारण इस उच्च हिमालयी क्षेत्र का पारितंत्र प्रभावित हो रहा है। सन् 1974 की विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट की अनदेखी कर किये जा रहे निर्माण कार्यों और बेतहासा खुदायी के कारण इस उच्च हिमालयी क्षेत्र का अति संवेदनशील पारितंत्र प्रभावित होने की आशंका प्रकट की जा रही है जिसका संकेत भगवान बदरीनाथ के अभिषेक के लिये पानी देने वाला क्रूम धारा बंद होने से मिल गया है। बदरीनाथ पुरी के निचले हिस्से में भूधंसाव प्रकट होने के साथ ही कुछ स्थानों पर दरारें देखी जा सकती हैं। इन दिनों बदरीनाथ यात्रा के चरम पर पहुंचने के साथ ही धाम को काशी विश्वनाथ की तरह सजा संवार कर दर्शनीय स्थल बनाने की सनक में बेतहासा तोड़फोड़ और भारी मशीनों से खुदाई भी चरम पर पहुंच गयी है जिस कारण आत्मिक शांति देने वाली बदरीनाथ पुरी इन दिनों चारों ओर मलबे के ढेरों में बदली हुयी नजर आ रही है। दानदाताओं द्वारा यात्रियों के आश्रय के लिये बनायी गयी धर्मशालाओं की जगह विशाल मलबे के ढेर नजर आ रहे हैं। मास्टर प्लान के नाम पर पंडे पुरोहितों, दुकानदारों तथा हकहकूकधारी समाज की सैकडो वर्ष पुरानी बसागत को नये निर्माण के लिये एक झटके में ध्वस्त कर दिया गया है। रिवर फ्रंट डेवेलपमेंट के नाम पर बदरीनाथ मंदिर के चरणों से गुजर रही अलकनन्दा के तट को भारी मशीनों से खोदा जा रहा है। तीर्थयात्री भी किसी तरह दर्शन कर वहा से लौटने का आतुर दिख रहे हैं। यही नहीं बदरीनाथ मंदिर के लिए स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भी सैकडों नाली भूमि दान दी गई थी, जिस पर प्रशासन

बिना मंदिर समिति को विश्वास में लिए कहीं दुकानें निर्मित करवा रहा है तो कहीं बाकायदा भूमि पूजन कर आवास बनवा रहा है। ठीक कपाट खुलने से पूर्व श्री बदरीनाथ मंदिर के सामने गुजराती भवन नाम से एक वीआईपी गेस्ट हाउस था, जिस पर गत वर्ष ही प्रधानमंत्री के बदरीनाथ भ्रमण से पूर्व लाखों रूपए खर्च किए गए थे। उसे जेसीबी की मदर से धराषाही कर दिया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारी जिला प्रशासन से उक्त गुजराती गेस्ट हाउस को यात्रा के पीक सीजन मई व जून माह के बाद ध्वस्त करने का आग्रह करते रह गए, लेकिन प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के नाम पर प्रशासन के सामने किसी की नही चली, और अब बदरीनाथ मंदिर के सामने मलबे के ढेर को दबा के रखा गया है। जब यात्राकाल के दौरान मलबा भी नही हटाया जाना था तो दो महीने बाद भी ध्वस्त किया जा सकता था। लेकिन जब प्रषासन के अधिकारियो मे मुख्य मंत्री,राज्पाल व मुख्य सचिव के प्रशस्ति पत्र पाने की होड लगी हो तो जनता जर्नादन के सुझावों की क्या अहमियत! पर्यावरणविदों की राय लिये बिना किये जा रहे बेतहासा और अवैज्ञानिक निर्माण के दुष्परिणाम का पहला संकेत क्रूम और प्रह्लाद जलधाराओं के बंद होने से सामने आने लगा है। जहां पर ये धारे थे वहां मलबे के बड़े ढेर नजर आ रहे हैं। ये दोनों ही जल श्रोत पौराणिक महत्व के थे। क्रूम धारा के जल से भगवान बदरीनाथ का अभिषेक होता है। विशेषज्ञों के अनुसार मंदिर और बदरीनाथ पुरी के नीचे बहने वाली अलकनन्दा के तट पर जेसीबी मशीनों से की जा रही खुदाई के कारण ये जलधाराएं बन्द हुयी हैं और अगर आगे भी इसी तरह काम होता रहा तो बदरीनाथ के गर्म पानी के तप्तकुण्ड भी एक दिन सूख जायेंगे। जल श्रोतों के नीचे खुदाई करने से अक्सर वे अपना भूमिगत मार्ग बदल देती है।

अगर वहां शेषनेत्र झील के आसपास भी इसी तरह भारी मशीनों से खुदाई की गयी तो इस झील का सूखना भी अवश्यंभावी है। यही नहीं रिवर फ्रंट डेवेलपमेंट के नाम पर अलकनन्दा तट पर बड़े पैमाने पर हो रही खुदाई से बदरीनाथ पुरी का समूचा भूमिगत जलतंत्र अस्तव्यस्त होने की आशंका जताई जा रही है। अगर ये प्राकृतिक गर्म पानी के श्रोत भटक गये तो मंदिर में दर्शन से पहले तीर्थयात्रियों के लिये स्नान की समस्या खड़ी हो जायेगी। प्रख्यात पर्यावरणविद् पद्मभूषण चण्डी प्रसाद भट्ट का कहना है कि धाम को सजाना संवारना तो अच्छी बात है लेकिन इस अति संवेदनशील स्थल की मौलिकता से छेड़छाड़ ठीक नहीं है। उन्होंने भारी तोड़फोड़ और अलकनन्दा तट की बेतहासा खुदाई पर भी चिन्ता प्रकट की है। अलकनन्दा तट परभारी मशीनों से की जा रही खुदाई का असर बदरीनाथ पुरी में भूधंसाव के रूप में दिखाई देने लगा है। बाजार के निचले हिस्से में भूधंसाव साफ नजर आ रह है। कुछ भवनों की बुनियाद खोद डालने से उनके गिरने का खतरा उत्पन्न हो गया है। भूधंसाव के कारण पण्डे पुजारियों की कालोनी, पंचभैया मोहल्ला को भी खतरा उत्पन्न हो गया है। बाजार गली में दरारें बढ़ गयी हैं। प्रशासन ने दरार वाले स्थान के दोनों ओर यात्रियों की सुरक्षा के लिये दीवार खड़ी कर दी हैं। रास्ता बंद होने से यात्रियों का आनाजाना अब कुबेर गली से किया जा रहा है। बाजार में बिहारीलाल शाह और सरदार जी की दुकान के नाम से पुकारे जाने वाले स्थल तक लगभग 50 मीटर लम्बी दरार प्रकट होने से लोगों को बदरीनाथ का जोशीमठ जैसा हस्र होने का अंदेशा सता रहा है। लेकिन भूविज्ञानियों का कहना है कि बदरीनाथ एक समतल स्थल होने के कारण वहां जोशीमठ जैसी नौबत नहीं आयेगी। हद तो तब हो गयी जब बदरीनाथ नगर में बने मलजल शोधन संयंत्र की गंदगी पवित्र अलकनन्दा में बहा दी गयी।बदरीनाथ मास्टर प्लान के नाम पर इस पौराणिक स्थल की मौलिकता से छेड़छाड़ तो हो ही रही थी लेकिन निर्माण कंपनी बदरीनाथ के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लाण्ट के मलमूत्र भरे टैंक को अलकनन्दा में खाली कर गंगा की पवित्रता को भी दूषित कर रही है। एक तरफ सरकार गंगा की पवित्रता और निर्मलता के लिये नमामि गंगे प्रोजेक्ट पर खरबों रुपये खर्च कर रही है और दूसरी तरफ गंगा के उद्गम पर ही उसे मैला कर हिन्दू धर्मावलम्बियों की भावनाओं को आहत किया जा रहा है। मलजल शोधन संयंत्र से अलकनन्दा में प्रवाहित हो रही गंदगी का वीडिओ वायरल होने पर करोड़ों सनातन धर्मावलम्बियों की भावनाएं भी आहत हो रही है। इससे पहले 1974 में भी बसंत कुमार बिड़ला की पुत्री के नाम पर बने बिड़ला ग्रुप के जयश्री ट्रस्ट ने भी बदरीनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कर उसे नया स्वरूप देने का प्रयास किया था। उस समय सीमेंट कंकरीट का प्लेटफार्म बनने के बाद 22 फुट ऊंची दीवार भी बन गयी थी और आगरा से मंदिर के लिये लाल बालू के पत्थर भी पहुंच गये थे। लेकिन चिपको नेता चण्डी प्रसाद भट्ट एवं गौरा देवी तथा ब्लाक प्रमुख गोविन्द सिंह रावत आदि के नेतृत्व में चले स्थानीय लोगों के आन्दोलन के कारण उत्तर प्रदेश की तत्कालीन हेमवती नन्दन बहुगुणा सरकार ने निर्माण कार्य रुकवा दिया था। इस सम्बन्ध में 13 जुलाइ 1974 को उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री बहुगुणा ने अपने वरिष्ठ सहयोगी एवं वित्तमंत्री नारायण दत्त तिवारी की अध्यक्षता में हाइपावर कमेटी की घोषणा की थी। इस कमेटी में भूगर्व विभाग के विशेषज्ञों के साथ ही भारतीय पुरातत्व विभाग के तत्कालीन महानिदेशक एम.एन. देशपांडे भी सदस्य थे। कमेटी की सिफारिश पर सरकार ने निर्माण कार्य पर पूर्णतः रोक लगवा दी थी। तिवारी कमेटी ने बदरीनाथ धाम की भूगर्वीय और भूभौतिकीय एवं जलवायु संबंधी तमाम परिस्थितियों का अध्ययन कर बदरीनाथ में अनावश्यक निर्माण से परहेज करने की सिफारिश की थी। लेकिन बदरीनाथ के इतिहास भूगोल से अनविज्ञ उत्तराखण्ड की मौजूदा सरकार ने मास्टर प्लान बनाने में इस सरकारी विशेषज्ञ कमेटी की सिफारिशों की तक अनदेखी कर दी। जिसका नतीजा सामने आने लगा है। हाइकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व सूचना आयुक्त राजेन्द्र कोटियाल बदरीनाथ के मौलिक स्वरूप के साथ की जा रही छेड़छाड़ की शिकायत प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री धामी से भी की ।

लेकिन जब शिकायत का कोई असर नहीं हुआ तो उन्होंने राज्य मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटा दिया। इसी के साथ ही कोटियाल ने नैनीताल हाइकोर्ट में भी याचिका दायर कर दी है।

हिंदी पत्रकारिता: चिंता, चिंतन व मनन का दिन

डॉ ० घनश्याम बादल

चंद बरस पहले तक हिन्दी पत्रकारिता को अंग्रेजी के पत्रकार दोयम कहते थे, उसकी विश्वसनीयता व प्रामाणिकता पर प्रश्नचिह्न खड़े करते थे यहां तक कि क्षेत्रीय पत्रकारिता को भी उससे बेहतर कहकर उसे लज्जित करते थे । उनके अनुसार हिन्दी पत्रकारिता केवल लफ्फाजी करती है , उसमें न डंक है और न ही कुछ नया करने की सोच व दृष्टि । अंग्रेजी पत्रकारिता के स्टेटस पर इतराते हुए अपने अखबारों की प्रसार संख्या का बखान कर करके हिन्दी अखबारों और हिन्दी पत्रकारिता का मुंह चिढाना आम बात थी । मगर आज ऐसा नहीं है ,आज एक से अधिक ऐसे अखबार हैं जो प्रसार संख्या में अंग्रेजी अखबारों से कहीं आगे हैं , वें नवाचार और प्रयोगों से नहीं घबराते हैं । हर खबर की खबर अब हिंदी पत्रकारिता जगत के पास भी इंटरनेट व अपने नेटवर्क की बदौलत पंहुच रही है। इस मायने में हिंदी पत्रकारिता अब सम्मानजनक स्थिति में है। बीते कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने सिद्ध करके दिखाया है कि आज वह बडी ताकत रखती है । पुरानी हिन्दी पत्रकारिता एक मिशन तो थी पर उसके पास संसाधन व आर्थिक ताकत और वह मारक क्षमता नहीं थी जो अंग्रेजी अखबारों की ताकत थी। तब के बड़े अखबार भी अंग्रेजी अखबारों की नकल करने के कारण चट्रेंड सैटर' नहीं थे और मालिकों के लिए भी घाटे का सौदा थे । पर, उनमें गजब़ का समर्पण , ललक और जुझारुपना था , जिजीविषा थी , बावजूद सारे दबावों के तब के कद्दावर संपादक , मालिकों व सरकार के दबाव में नहीं आते थे। तब 'पेड' न्यूज जैसे शब्द ही नहीं थे , विज्ञापन था, पर , समाचारपत्र की जान खबर ही थी , तब भी मालिक उद्योगपति ही थे मगर अखबार पैसा कमाने की फैक्ट्री नहीं थे । हालांकि पत्रकार के

लिए तब अखबार से घर चलाना मुश्किल भरा था मगर वह सरकारों ,समाज व देश की दिशा तय करने का बड़ा काम कर रहा था पर आज ऐसा नहीं है । यह दौर अब जैसे अखबारों या पराड़कर और गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे पत्रकारों का नहीं बल्कि मुनाफा कमाने , पावर गेम में गेमचेंजर की भूमिका निबाहने के इच्छुक महत्वाकांक्षी ऐसे लोगों का है जो खुद पत्रकार नहीं हैं पर, पत्रकार बनाने की फैक्ट्री हैं , अपनी योजना और उद्देश्य पूर्ति के हिसाब से अखबार और पत्रकार रखते हैं । अखबार के माध्यम से राजनीतिक लक्ष्य पाने के इस खेल में नेता तथा उद्यमी ही नहीं माफिया भी कूद पड़े हैं जोलबहुत ही चिंताजनक है । अभी - अभी अभी जो विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं , नेताओं एवं दलों ने जिस प्रकार से मयार्दाएं तोड़ी हैं और घटिया से घटिया स्तर की भाषा का प्रदर्शन किया है उसमें कहीं न कहीं हिंदी पत्रकारिता जगत भी प्रभावित हुआ है । इस बार कुछ अखबारों ने तो सारी हदें पार करते हुए अपने संपादकीय तक राजनीतिक दलों के पक्ष या विपक्ष में लिखकर चुनाव प्रभावित करने की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, अब इसे हिंदी पत्रकारिता जगत की ताकत कहें या या कमजोरी ? भले ही सत्ता प्रतिष्ठान की शरण में जाकर कुछ सुविधाएं व ताकत मिल जाए मगर भूलिए नहीं कि आप लोकतंत्र के ऐसे चौथे स्तंभ हैं जिस पर न्यायपालिका,कार्यपालिका या व्यवस्थापिका किसी का भी असर नहीं होना चाहिए अपितु आप को निष्पक्ष दृढ़ निश्चयी और तटस्थ रहते हुए भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूती प्रदान करनी है।

हिन्दी पत्रकारिता कई संदर्भों में बहुत आगे आई है तो कई मोर्चो पर पतन हुआ है । कुछ फ्रंट ऐसे हैं जहां से वह लीडरशिप करती नजर आ रही है तो कुछ पर उसने पुराना गौरव भी खोया है । भटकाव का सबसे बड़ा संकट जो आज सामने खड़ा. नजर आता है वह है पत्रकारिता में ऐसे तत्वों की घुसपैठ होना जो इस क्षेत्र के न तो लायक हैं और न ही उनमें वह भाव है जो एक पत्रकार में होना चाहिए । इस विचलन और पतन से बचाने के लिए वरिष्ठ पत्रकार आगे आएं तभी हिंदी पत्रकारिता सर ऊंचा रख पाएगी । चापलूस रीढ़हीन लोगों से उम्मीद बेमानी है । अस्मिता के संकट का अहसास कराते बहुत से कारण हैं जैसे मालिकों के रूप में शुद्ध मुनाफाखोर लोगों का आना ,माफिया।ओं व राजनीतिज्ञों का एक खास लक्ष्य के अखबार प्रकाशित करना , अपने कारोबार के लिए एक ढाल के रूप अखबार का प्रयोग करना , काले धंधों को चलाने के लिए पत्रकारिता का सहारा लेना पत्रकारों के नाम पर दबंग किस्म के लोगों को रखना, विज्ञापनों के लिए अनुचित दबाव डालना व ब्लैकमेल तक करने से न चूकना , विज्ञापन के बदले खबर छापना , किसी खास दल व सरकार का पक्ष लेना या उसका गैर वाजिब विरोध करना , टी वी चैनलों की तर्ज पर नकारात्मक खबरों पर जोर रखना , गॉशिप को असल खबर का रूप देना आदि आज की पत्रकारिता के ऊपर कई सारे प्रश्नवाचक चिह्न छोड़ रहे है।

हिंदी पत्रकारिता ने पहले भी कई संकट झेले हैं आगे भी झेलने में वह सक्षम है , मगर अति आत्मविश्वास घातक भी हो सकता है कमर कस कर सच के साथ चलकर ही चौथा खंभा लोकतंत्र की इमारत को सहारा दे सकता है। निःसंदेह , हिन्दी आगे पत्रकारिता बढ़ रही है और नई संभावनाएं भी जगा रही है। पर, उसके विकार व दिशा भटकाव देखकर डर भी लगता है ।

बिहार की राजनीति में क्यों अहम हुई अगड़ी जातियां?

अशोक भाटिया

बिहार की राजनीति यही कोई तीन दशक से गैर सवर्ण जातियों के इर्द-गिर्द घूमती आई है। खास तौर पर पिछड़ा वर्ग का प्रभुत्व इतना बढ़ा कि इस तबके से आने वाले लालू यादव-राबड़ी देवी-नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होते आए हैं। हालांकि एक दौर वह भी रहा है, जब मुख्यमंत्री अगड़ी जातियों के ही होते थे। 90 के दशक में जब मंडल-कमंडल की राजनीति ने अपने पांव फैलाए, तो देश के तमाम दूसरे राज्यों की तरह बिहार की सियासत का नक्शा भी बदल गया। लेकिन हाल के दिनों में, बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अचानक वहां अगड़ी जातियों की अहमियत बढ़ गई है। राज्य में इस साल परशुराम जयंती का आयोजन बहुत भव्य स्तर पर किया गया, जिसमें तेजस्वी यादव ने शिरकत की। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर सिंह का विजय उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में अमित शाह शामिल हुए। और तो और, जदयू ने अपनी पार्टी में सवर्ण प्रकोष्ठ बना दिया है। अमूमन राजनीतिक दलों में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ हुआ करते हैं, लेकिन नीतीश कुमार ने यह नया प्रयोग किया है। बिहार में मुख्य रूप से चार बड़ी अगड़ी जातियां हैं- भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला। राजनीतिक गलियारों में उन्हें सांकेतिक भाषा में 'भूराबाल' कहा जाता है। बिल्कुल वैसे ही जैसे मुस्लिम-यादव समीकरण को 'एमवाई' कहते हैं। नब्बे के दशक में जब बिहार की राजनीति में लालू युग शुरू हुआ, तो उनको लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ था। कहा यह गया कि लालू ने बिहार की राजनीति में 'भूराबाल' को साफ करने की बात कही है। हालांकि लालू यादव इसे अपने खिलाफ एक बड़ी राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। खैर, सच्चाई जो भी रही हो, लेकिन इस विवाद के बाद वहां लालू यादव की छवि 'एंटी अपर कास्ट' नेता के रूप में उभरी। लालू यादव ने भी इसकी परवाह किए बिना यादव, मुस्लिम और अति पिछड़ा वर्ग-दलित वर्ग की कुछ अन्य जातियों को गोलबंद कर अपने को मजबूत बनाए रखा। बिहार में अगड़ी जातियों की आबादी 15 से 20 प्रतिशत के बीच है। एक वक्त यह कांग्रेस का वोट बैंक हुआ करती थीं, लेकिन बाद में भाजपा के साथ आईं। नीतीश कुमार के भाजपा के साथ गठबंधन में होने की वजह से इनका समर्थन जदयू को मिलता रहा। लेकिन पिछले चुनाव में यह देखा गया कि सवर्ण जातियों ने भाजपा को तो वोट किया, लेकिन जदयू को नहीं। यही वजह रही कि जदयू को पहली बार भाजपा से कम सीट मिलीं और राज्य विधानसभा में सीटों की संख्या के क्रम में तीसरे पायदान पर पहुंच गई। राजनीति में बिना मकसद कुछ भी नहीं होता। अगर बिहार में अगड़ी जातियों की पूछ बढ़ गई है, तो उसकी वजह भी है। बिहार में जिस तरह से भाजपा तनकर खड़ी हुई है और जीतनराम मांझी, मुकेश सहनी जैसे अपनी-अपनी जातियों के नेताओं का प्रभाव बढ़ना शुरू हुआ है, उसमें आरजेडी को लगने लगा है कि 'एमवाई' समीकरण के सहारे राज्य की सत्ता में वापसी मुश्किल है। तेजस्वी यादव ने पिछले चुनाव के मौके पर कहा भी था कि अब हम 'एमवाई' की पार्टी नहीं बल्कि ए टू जेड की पार्टी होंगे। इसी कोशिश में वह अगड़ी जातियों के साथ अपनी दोस्ती बढ़ा रहे हैं। मार्च महीने में स्थानीय निकाय चुनाव में प्रत्याशियों के चयन में यह बात साफ दिखी भी। बिहार के सियासी गलियारों में यह कहा भी जाने लगा है कि लालू यादव जिस 'भूराबाल' को साफ करने की बात करते थे, तेजस्वी यादव उसी 'भूराबाल' को साथ लेकर चलने की बात करने लगे हैं।

आखिर इस मर्ज की दवा क्या है?

अनिल कांत राय

बड़ी सोंधी सुगंध आती है उस मिट्टी से जिसे जेठ ने खूब तपाया हो और अषाढ़ की बारिश में ने उसे खूब भिगोया हो। आषाढ़ की वह बारिश बच्चों से लेकर बूढ़ों तक को अपनी आगोश में ले लेती है ' जी इस कदर मचलता है कि हर कोई उसमें भींगकर परम आनंद का आभास करता है। यह मिट्टी ही तो है जो सारे विश्व को भोजन प्रदान करती हैं। छोटे से बड़े तक राजा से रंक तक हर किसी की सुधा पूर्ति इसी से तो होती है। यह मिट्टी न हो तो यह दुनिया भी न हो। अफसोस कि जैसे-जैसे हम मिट्टी को लेकर नए दौर में नई कहानी गढ़ रहे हैं वह शायद हमारे काम की न हो। हम इसे धरती मां यूं ही नहीं कहते, सचमुच हमें पैदा करने वाली मां के बाद वह धरती मां ही है जिसकी गोद में हम पलते हैं, जिसके सीने पर हम चलते हैं जिसकी छाती पर हम खेलते खाते बड़े होते हैं। यही नहीं हर कोई अपनी अपनी मिट्टी पर अभिमान करता है। मिट्टी की कसम खाता है, उस मिट्टी की हिफाजत के लिए अपनी जान दे देता है। सचमुच यह मिट्टी उसके काबिल भी है। पूरी दुनिया का बोझ उठाए आज यह मिट्टी कहीं न कहीं हर किसी से यह सवाल कर रही है कि हमने तुम्हें पूरे जीवन में इतना कुछ दिया और तुमने मुझे इस काबिल भी नहीं छोड़ा कि मैं आजअपने वास्तविक स्वरूप में रहकर तुम्हारा भरण पोषण कर सकूं। आखिर मिट्टी के साथ खिलवाड़ क्यों कर रहे हैं हम ? जिस मिट्टी पर उगने वाली घास खरपतवार को हमारे बड़े बुजुर्ग जुताई करके मिट्टी के नीचे कर दिया करते थे आज हम उसे सरेआम आग लगाकर जला रहे हैं। वे जीव जन्तु जो हमारे परम हितेषी हैं उन्हें हम उन्हें भीआग के हवाले कर रहे हैं । एक तरफ जहां अग्नि के माध्यम से हम उसे साफ सुथरा रखने का प्रयास कर रहे हैं वही पर्यावरण में प्रदूषण की एक बहुत बड़ी खेप भेजने का भी काम कर रहे हैं। जो हमारी जिंदगी को जीने लायक नहीं छोड़ती है । अफसोस कि हम आज अपनी ही कुल्हाड़ी से अपने पैरों को काट रहे हैं ।

पुलिस ने तीन वारंटी व दो के कब्जे से 46 क्वार्टर शराब समेत दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान थानाध्यक्ष सरधुवा प्रवीण सिंह की अगुवाई में दरोगा अनिल गुप्ता की टीम ने विद्युत अधिनियम के वारंटी भुल्लू यादव पुत्र दयाराम व राजा सिंह पुत्र राजकुमार यादव निवासी नहरा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा अनिल कुमार गुप्ता, सिपाही अरविंद सोनी शामिल रहे।

इसी क्रम में थानाध्यक्ष भरतकूप सुबेदार बिंद की अगुवाई में दरोगा इमरान खान की टीम ने चोरी व माल बरामद मामले में वारंटी लवली उर्फ लवलेश कुमार पुत्र जगतपाल प्रजापति निवासी भैसौधा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा इमरान खान, सिपाही अजीजुद्दीन शामिल रहे।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने 46 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। मऊ थाने के दरोगा इन्द्रजीत गौतम की टीम ने लवकुश रैदास पुत्र सुकरू निवासी चंदई के कब्जे से 21 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा इन्द्रजीत गौतम, सिपाही दीपप्रताप शामिल रहे।

बरगढ थाने के दरोगा राजेन्द्र प्रताप सिंह की टीम ने संतलाल पुत्र भोंदूलाल निवासी सुचेता कालोनी के कब्जे से 25 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा राजेन्द्र प्रताप सिंह, दीवान रमेशचन्द्र, सिपाही अखिलेश शामिल रहे।

दबंगों ने पत्रकार पर किया जानलेवा हमला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के खंडेहा गांव के पत्रकार रामबहोरी केशरवानी पुत्र स्व मोहनलाल ने थानाध्यक्ष को दी तहरीर में कहा कि उसकी खबरों से खफा दबंगों ने जानलेवा हमला किया है। पुलिस ने तहरीर ले ली है, अभी तक दबंगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

रविवार को खंडेहा गांव के पत्रकार रामबहोरी केशरवानी ने थानाध्यक्ष को दी तहरीर में बताया कि 27 मई को दोपहर 12 बजे ईंटा-गिट्टी सप्लायर छोटू सिंह ने रास्ते में घात लगाकर गांव के राधेश्याम व भाई श्यामलाल पुत्रगण सूरजपाल आदि ने घेरकर लाठी-डंडों व कुल्हाडी से हमला बोल दिया। हमला करने वाले कह रहे थे कि जेसीबी से मिट्टी खुदवा रहे थे तो खबर क्यों छापी। इसी बात को लेकर हमलावरों ने उस पर जानलेवा हमला किया।

पीडित ने तहरीर में कहा कि दबंगों से उसे जान का खतरा है। ऐसे में मामला दर्जकर दबंगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाये।

स्वच्छता दिवस पर 70 किशोरियों की हुई जांच

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। स्वच्छता दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में 70 किशोरियों की डॉक्टरों की टीम ने खून की जांच की।

रविवार को सीतापुर स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में स्वच्छता दिवस के मौके पर डॉक्टरों की टीम ने 70 किशोरियों की खून की जांच व अन्य जांचें की। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एमके जतारिया ने कहा कि स्वच्छता के प्रति लोगों को हमेशा सचेत रहना चाहिए। एक उम्र विशेष में शारीरिक एवं मानसिक बदलाव होने लगते हैं। ऐसे में क्या सावधानी बरतनी चाहिए, इस बारे में उन्होंने विस्तार से जानकारी दी।

डॉक्टरों ने कहा कि विशेष उम्र के लोगों को टहलने व खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। साफ-सफाई का भी खासतौर पर ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर डॉ शैलेन्द्र, डॉ गौरव जैदका, आरके करवरिया, सोनम श्रीवास्तव, श्रीराम अग्रवाल, रोहित अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

हत्या के आरोपी की तलाश में दिल्ली पुलिस ने बढ़ापुर में की छानबीन

बिजनौर/बढ़ापुर। हत्या के एक आरोपी की तलाश में बढ़ापुर पहुची दिल्ली पुलिस को हत्यारोपी के बहन से पूछताछ कर बेरंग लौटना पड़ा।

बताया जा रहा है कि नगर के मोहल्ला पठानान में बीती रात पुलिस बल के दर्जनों जवानों के एक घर मे दस्तक से मोहल्लेवासी सकते में आ गये। काफी समय तक घर मे पूछताछ करने के बाद उक्त घर से पुलिस एक महिला को अपने साथ थाना बढ़ापुर ले गई। जिसके बाद मोहल्ले के कई जिम्मेदार लोग मोहल्ले के सभासद के साथ थाने पहुँचे औ? जानकारी हासिल की तो पता चला कि उक्त महिला के भाई द्वारा दिल्ली की जामा मस्जिद के समीप एक व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी तथा जिसके बाद हत्यारोपी फरार हो गया था।हत्यारोपी की तलाश के चलते पुलिस ने हत्यारोपी की बहन जोकि मोहल्ला पठानान निवासी युवक की पत्नी है उसके घर दबिश दी परन्तु हत्यारोपी के न मिल पाने के कारण दिल्ली पुलिस को बेरंग लौटना पड़ा। साथ ही दिल्ली पुलिस ने हत्यारोपी की बहन व जीजा को पुलिस की मदद करने के वादे के साथ छोड़ दिया। नगर पुलिस चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह द्वारा बताया गया कि दिल्ली पुलिस द्वारा एक हत्यारोपी की तलाश में दबिश दी गई थी परन्तु हत्यारोपी नही मिला जिस कारण दिल्ली पुलिस द्वारा उसकी बहन से पूछताछ की गई है।

मान्यता प्राप्त स्कूलों के साथ दोहरा माप दण्ड

वाराणसी। स्कूल कल्याण एसोसिएशन कि एक आवश्यक बैठक शुक्रवार को एम.डी. शिक्षण संस्थान भरलाई शिवपुर में आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) ग के अर्न्तगत मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ रहे कमजोर एवं अलाभित समूह के बच्चों की शुल्क प्रतिपूर्ति पिछले 4 वर्षों से सरकार द्वारा भुगतान न किए जाने से मान्यता प्राप्त स्कूलों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, वाराणसी जनपद में एक तरफ जहाँ 1146 परिषदीय विद्यालयों में लगभग 2 लाख छात्र अध्ययन करते है, वही मान्यता प्राप्त स्कूलों में यह संख्या लगभग 3 लाख 70 हजार के करीब है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सिर्फ वाराणसी जनपद में परिषदीय विद्यालयों में अध्यापको को दिये जा रहे 1 माह के वेतन का 25 प्रतिशत से आधे की धनराशी मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ रहे 35 हजार बच्चों की शुल्क पूर्ती से अधिक होता है। फिर भी सरकार दोहरा मापदण्ड अपनाते हुए शुल्क प्रतिपूर्ती का भुगतान नही किया जा रहा है। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को ड्रेस, किताब, कॉपी, जूतें आदि के साथ ही माध्यान भोजन पर भी सरकार द्वारा करोड़ो रुपए व्यय किया जाता है, किन्तु मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ रहे गरीब बच्चों को पढ़ा रहे विद्यालयों को शुल्क प्रतिपूर्ती भी सरकार द्वारा न देकर मान्यता प्राप्त स्कूलों के साा द्वारा माप दण्ड अपनाया जा रहा है, जो न्याय संगत नहीं है।

मनाई गई वीर सावरकर जी की जयंती, मौजूद रहे जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट । मां भारती के अमर सपूत स्वातंत्र्य वीर सावरकर जी की जयंती पर युवाओं ने पुष्पांजली दीपांजली कार्यक्रम आयोजित किया।वीर सावरकर जी की जयंती पर पुष्पांजली-दीपांजली कार्यक्रम के साथ वीर सावरकर जी के कृतित्व और विचारों पर विमर्श भी सम्पन्न हुआ।विमर्श पर विचार अभिव्यक्त करते हुए जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय ने कहा कि वीर सावरकर उतने ही बड़े देशभक्त थे जितने महात्मा गांधी जी। वो उतने ही बहादुर थे जितने भगत सिंह जी। वो उतने ही दूरदर्शी थे जितने सरदार पटेल जी। वो उतने ही चतुर थे जितने चाणक्य । सावरकर पर सवाल उठाकर आप अपनी कुपढ़ता का परिचय तो दे सकते हैं मगर इससे उनकी महानता पर रत्ती भर भी आंच नहीं आती है। विमर्श को बढाते हुए आलोक पाण्डेय ने आगे कहा कि वीर सावरकर जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, जातिगत ऊंच-नीच पर जितना कडा प्रहार किया है।

उन्होने पतित पावन मंदिर बनाकर दलितों को मंदिर प्रवेश कराया। सावरकर जी को दो जन्म का कारावास दिया गया और कालेपानी की सजा में कठोरतम यातनाएं। जेल से छूटने के बाद भी अंग्रेजों ने सावरकर जी को शहर नजरबंद कर रखा था और अंग्रेज वीर सावरकर को ब्रिटिश साम्राज्य के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते थे। कार्यक्रम संयोजक दुर्गेश ने कहा कि सावरकर जी को जानबूझकर कांग्रेस और उसकी समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों और नेताओं ने बदनाम किया है। कार्यक्रम में अभिषेक, श्रेयस, रमन , सिद्धार्थ, ब्रजेश गुप्ता, राघव, अखिलेश के साथ और युवा सहभागी हुए।

ट्रिपल इंजन की सरकार पर सपा नेता ने की टिप्पणी

भाजपाई खुद अपनी सरकार की कमजोरी कर रहे बखान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नगर निकाय चुनाव में जहां देखो, वहां भाजपा के नेता ट्रिपल इंजन सरकार बनाने की बातकर रहे हैं। जनता भाजपा नेताओं के इस बयान पर चुटकी ले रही है।

रविवार को सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ने कहा कि भाजपा नेता ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की बातकर विकास कार्यों को सुचारू ढंग से संचालित करने की बात कह रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब एक इंजन कमजोर हो जाता है तो पहले इंजन के सहारे

दूसरा इंजन लगाया जाता है, जब दूसरा इंजन भी फेल हो जाता है तो दूसरे इंजन का सहारा लेने को तीसरा इंजन लगाया जाता है। ऐसे में भाजपा की केन्द्र व प्रदेश सरकार पूरी तरह फेल होती दिख रही है। इसीलिए तीसरे इंजन की बात भाजपाई कर रहे हैं। पहले के दोनों इंजन कमजोर हो चुके हैं। अब उन्हें तीसरे इंजन से नइया पार लगाने की उम्मीद जागी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के बयान से हाजिर है कि पहले के दोनों इंजन की सरकारें कमजोर हो गई हैं। आम जनता भी दोनों सरकारों के फेल होने की चर्चा करने लगी है। सपा नेता अनुज यादव ने बताया कि भाजपा नेता सीधे तौर पर ट्रिपल इंजन की सरकार कहकर योगी-मोदी सरकार को कमजोर साबित करने में लगे हैं। भाजपा नेता कहीं हकीकत तो बयान नहीं कर रहे। आम जनता भी मानने लगी है कि ट्रिपल इंजन की सरकार किसी कीमत पर मजबूत नहीं हो सकती है। पहले इंजन कमजोर होने पर दूसरे इंजन की जरूरत पड़ती है। पहले और दूसरे इंजन के कमजोर होने की दशा में तीसरा इंजन लगाने की जरूरत पड़ती है। भाजपा नेता अपनी सरकार की कमजोरी को ट्रिपल इंजन की सरकार कहकर खूब वाहवाही लूट रहे हैं।

डीएम की प्रेरणा से जारी है स्वच्छता अभियान

कामदगिरि स्वच्छता समिति का 71वां अभियान चलाया गया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की प्रेरणा से स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रत्येक रविवार को कामतानाथ परिक्रमा में स्वच्छता अभियान चलता है। नगर पालिका चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन का ये अभियान नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने को चलाया जा रहा है। जगह-जगह कूड़ा न फेंके, पालिका की गाड़ियों में ही कूड़ा डालें, साफ और स्वच्छ नगर बनाने में पालिका का सहयोग करें। रविवार को अधिशासी अधिकारी

लालजी यादव ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर चित्रकूट बनाने में नगर पालिका का आमजनता सहयोग करे। कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष राकेश केसरवानी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान से कामतानाथ परिक्रमा में प्रत्येक रविवार को जनजागरूकता को स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें जनता का सहयोग मिल रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक शिवा कुमार ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रव्यापी सफाई अभियान है। इस अभियान में सबकी जिम्मेदारी है कि सभी लोग भागीदारी निभायें। मिलजुलकर चित्रकूट को साफ और स्वच्छ करें। परिक्रमा मार्ग को गंदा होने से बचाएं। आज के अभियान में राजेंद्र त्रिपाठी, शुभम केसरवानी, जितेंद्र केसरवानी, सुमित केसरवानी, अंकुर केसरवानी, विनोद कुमार, विवेक केसरवानी, विकास द्विवेदी, मोनू कुमार, अनूप कुमार, मनोज कुमार, पप्पू ने सहयोग किया।

परिक्रमा मार्ग में लगे पत्थरों को तोड रहे वाहन

गेट के खुले रहने से धडल्ले से आते-जाते हैं वाहन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कामदगिरि परिक्रमा मार्ग में यूपी सरकार ने सुदृढीकरण को शेड कवर्ड के साथ नए पत्थर लगवाए थे। पर्वत की ओर अवैध कब्जे कर निर्माण कराने वाले अतिक्रमणकारियों के ट्रैक्टरों ने इन पत्थरों को तोड़ डाला है। रात के समय निर्माण सामग्री लेकर परिक्रमा मार्ग में ट्रैक्टर बेधड़क दौड़ लगाते है।

रविवार को टैज्क्टरों को रोकने को परिक्रमा मार्ग में गेट भी लगे हैं, लेकिन नगर पालिका की लापरवाही से यह गेट हर समय खुले रहते हैं। परिक्रमा मार्ग में प्रशासनिक लापरवाही के चलते अंधेरगर्दी कायम है। अतिक्रमणकारी दोनों तरफ से परिक्रमा मार्ग में अवैध कब्जे करते जा रहे है। रात-दिन सरकारी

जमीनों में कब्जे कर निर्माण चल रहे है।

तृतीय मुखारबिंद के पास रात-दिन गेट खुला रहता है। बताते हैं कि ज्यादातर रात के समय निर्माण सामग्री ईंट, बालू, सीमेंट, लोहा आदि लेकर ट्रैक्टर परिक्रमा मार्ग में पहुंचते हैं। तृतीय मुखारबिंद के पास नगर पालिका ने गेट लगवाया था। शुरूआती दौर में यह गेट बंद रहता रहा है, ताकि परिक्रमा मार्ग में वाहन न घुस सकें। इसकी चाबी सफाईकर्मियों के पास रहती है, लेकिन गेट रात-दिन खुला रहता है।

यहीं से निर्माण सामग्री लेकर ट्रैक्टर परिक्रमा मार्ग में प्रवेश करते है। चारपहिया वाहन भी पहुंचते है। बाइक सवार परिक्रमा मार्ग में फरार्टा भरते नजर आते है। इन वाहनों की वजह से परिक्रमा पथ पर लगे पत्थर टूट रहे है। इसके साथ ही हादसों का खतरा बना रहता है। ईओ नगर पालिका लालजी यादव का कहना है कि जरूरत के समय ही गेट खोला जाता है। इसके अलावा उसमें ताला लगा रहता है। अगर बिना जरूरत के ताला खुलता है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लड़की से शादी का झांसा देकर युवक लेकर हुआ फरार

हल्दी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी की लड़की को गांव के ही एक महिला के सहयोग से गड़वार थाना क्षेत्र का एक लड़का भगा ले गया। मामले में लड़की के पिता ने हल्दी थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी पुलिस की उदाशीनता के कारण आज तक लड़की बरामद नहीं हो सकी है। वहीं लड़की का पता न चलने के कारण पूरा घर डरा हुआ है लड़की के पिता द्वारा दिये गए तहरीर में प्रार्थी की पुत्री कुसुम (काल्पनिक नाम) 17 वर्ष जिसको गड़वार थाना क्षेत्र के त्रिकलपुर गाँव निवासी युवक सूरज राम पुत्र राम जन्म राम शादी का झांसा देकर मेरे पड़ोसी व अन्य की मदद से 24 अप्रैल 2023 को भगा ले गया।जिस पर हल्दी पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ 363,366ए,120बी के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया।लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं होने से लड़की के परिजन डरे हुए हैं। कि कहीं मेरी पुत्री के साथ कोई अनहोनी ना हो जाए।

कोतवाली कर्वी पुलिस ने गुमशुदा बालक को 24 घंटे में किया बरामद , पिता ने पुलिस को दिया धन्यवाद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर गुमशुदा/अपहर्तों की बरामदगी को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी गुलाब त्रिपाठी की अगुवाई में कोतवाली कर्वी पुलिस ने गुमशुदा बालक को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया।

ज्ञात है कि 27 अप्रैल को कोतवाली कर्वी के बघौडा गांव के ज्ञानचंद्र शुक्ल पुत्र स्व महेश प्रसाद हालमुकाम पुरानी बाजार कर्वी ने अपने छोटे पुत्र अनन्य शुक्ला की गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली कर्वी में दी। कोतवाली पुलिस ने सर्विलांस की मदद से खोये अनन्य शुक्ल पुत्र ज्ञानचन्द्र शुक्ल को बरामद करने के प्रयास शुरू कर दिये। कोतवाली पुलिस के प्रयास से गुमशुदा अनन्य को 24 घंटे के अन्दर पुलिस ने बरामद किया। अनन्य को कोतवाली कर्वी लाकर उसके पिता ज्ञानचंद्र शुक्ल के सुपुर्द किया। अनन्य के पिता ज्ञानचंद्र शुक्ल ने पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया। टीम में दरोगा प्रभुनाथ यादव, दरोगा पवन प्रधान, सिपाही जितेन्द्र सर्विलांस, गोलू भार्गव शामिल रहे।

रामनगर में भ्रष्टाचार चरम पर, प्रधान व लेखपाल को एसडीएम ने जारी की नोटिस

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के चर्चित ब्लाक रामनगर के ब्लाक मुख्यालय के गांव रामनगर में भ्रष्टाचार के कारनामें सामने आने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मामलों को दबाकर प्रधान व सचिव को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

रविवार को रामनगर ब्लाक के रामनगर गांव में मनरेगा योजना से इंटरलाकिंग खडंजा निर्माण कार्य में जमकर धांधली की गई है। समय पूरा होने से पहले खडंजा ध्वस्त होने लगा है। रामनगर में पूर्व प्रधान ने स्थानीय नाले की खनिज सामग्री मिट्टी का उपयोग कराते हुए मानकविहीन कार्य कराया है। जिसका भुगतान पूर्व में भी हुआ था, कुछ भुगतान मौजूदा प्रधान ने कराया है। इस कार्य में जमकर कमीशनखोरी हुई है। वर्तमान प्रधान ने कभी अमृत सरोवर तो कभी खेल मैदान के निर्माण कार्य में खूब धांधली की है। अपने चहेते ठेकेदारों को निर्माण कार्य सौंपकर मनमानी ढंग से कमीशनखोरी की गई है।

ब्लाक मुख्यालय के गांव रामनगर में इन दिनों गरीब दिव्यांग को आवासीय पट्टा दिलाने के नाम पर वसूली की चर्चा जोरों पर है। पीड़ित ने प्रधान व हल्का लेखपाल पर आवासीय पट्टा दिलाने के नाम पर मोटी रकम लेने का आरोप लगाया है। उप जिलाधिकारी मऊ ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच करवा रहे हैं। प्रधान व हल्का लेखपाल को नोटिस जारी की गई है। मजे की बात ये है कि ब्लाक मुख्यालय के गांव रामनगर में जब आवासीय पट्टा दिलाने के नाम पर वसूली की गई है तो ब्लाक मुख्यालय से दूर दराज के गांवों के क्या हाल होंगे।

महाराजगंज जेल में बंद कानपुर के विधायक इरफान के करीबी पूर्व पार्षद के भांजे की गोली मारकर हत्या

कानपुर। आगजनी समेत अनेक गंभीर मामलों में जेल में बंद यहां के सपा विधायक इरफान सोलंकी के करीबी पूर्व पार्षद मन्नू रहमान के भांजे को गोली मार कर हत्या कर दी गई है। घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप के साथ ही मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है। वह 12 साल पहले परेड स्थित चंद्रेश्वर हाते में हुई हत्या के मामले में आठ महीने से जेल में था। दस दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया था। वह परेड में कपड़ों की फेरी लगा रहा था। पिता मो. शफीक डेयरी में काम करते हैं।वही पुलिस आरोपी की तलाश में छापे भी मार रही है लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

घटना से मूलगंज चौबेगोला में तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में फोर्स भी तैनात किया गया है। यही नहीं तनाव को देखते हुए हैलट और परेड में भारी फोर्स तैनात किया गया है। एडीसीपी ने बताया कि हमलावर की तलाश के लिए एक टीम लगा दी गई है।

पुलिस के अनुसार परेड निवासी मो. सैफ उर्फ भोलू उर्फ जबर को को मूलगंज के चौबेगोला में गोली मारी गई।

गोली मारने वाले की पहचान परेड के रहने वाले सलमान कांड़ा के रूप में हुई है। चश्मदीदों के अनुसार दोनों के बीच पहले किसी बात को लेकर नोकझोंक और कहासुनी हुई।

इसी बीच सलमान ने सैफ पर फायर झोंक दिया, जिससे वह गिर गया। सैफ को लेकर लोग पहले उर्सला गए, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते उसे हैलट रेफर कर दिया गया। सूचना पर हैलट में भारी संख्या में लोग पहुंच गए। पुलिस के अनुसार सैफ को एक व्यक्ति के जरिये सलमान कांड़ा ने फोन कर मूलगंज स्थित चौबे गोला बुलाया। यहीं पर दोनों के बीच विवाद हुआ और फिर सलमान ने गोली मार दी। लोग पकड़ने दौड़े] तो वह हवा में फायर करता हुआ फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देकर खून से लथपथ सैफ को अस्पताल पहुंचाया।

मन्नू रहमान के भांजे को गोली मारने की सूचना पर हैलट में बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एडीसीपी पूर्वी मृगांक शेखर, एसीपी कोतवाली व एसीपी स्वरूपनगर के साथ भारी फोर्स लेकर हैलट पहुंच गए। वहीं, परेड में भी भारी फोर्स तैनात की गई है।

पाकिस्तान में 6.0 तीव्रता के भूकंप से हिली धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई हिस्सों में सुबह 6.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इससे दहशत फैल गई और लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने को मजबूर होना पड़ा। मुल्क के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान और

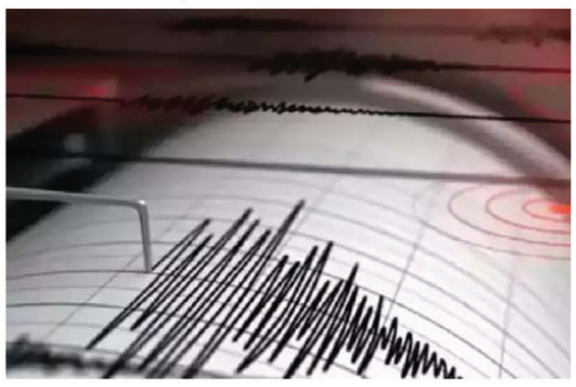

ताजिकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्र में 223 किलोमीटर की गहराई में था। इस वजह से विनाशकारी प्रभाव नहीं पड़ा। इस केंद्र के अधिकारियों ने कहा है कि इस्लामाबाद, पेशावर, स्वात, हरिपुर, मलकंद, एबटाबाद, बाटग्राम, कश्मीर, टेक्सलिया, पिंड दादान खान और देश के कई अन्य हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अभी तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2005 में पाकिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में 74,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

प्रधानमंत्री प्रचंड के भारत दौरे में प्रमुख ऊर्जा परियोजनाओं पर करार की तैयारी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की 31 मई से प्रस्तावित चार दिवसीय भारत यात्रा के दौरान ऊर्जा से संबंधित बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इसके मद्देनजर नेपाल के निवेश बोर्ड ने एक अहम फैसला लिया है। निवेश बोर्ड की रविवार सुबह हुई बैठक में 669 मेगावॉट लोअर अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डेवलपमेंट एग्रीमेंट करने का फैसला किया गया है।

प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत यात्रा के दौरान 480 मेगावाट के फुकोट करनाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए दोनों देशों के बीच समझौते को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। निवेश बोर्ड की बैठक में 679 मेगावाट के तमोर जलाशय परियोजना से चीनी कंपनी पावर चाइना से निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ाने पर स्पष्टीकरण मांगने का फैसला किया गया है। इसके मद्देनजर इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि नेपाल सरकार इस परियोजना से चीनी कंपनी से निर्माण कार्य वापस ले सकती है।

माउंट एवरेस्ट की चोटी से 19 मई को लापता भारतीय मूल के पर्वतारोही श्रीनिवास का पता नहीं लग सका

सिंगापुर। माउंट एवरेस्ट की चोटी पर 19 मई को पहुंचने वाले भारतीय मूल के लापता युवा पर्वतारोही श्रीनिवास सैनी दत्तात्रेय का खोज और बचाव दल के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद पता नहीं लगा पाया है। पर्वतारोही की पत्नी सुषमा सोमा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में यह जानकारी दी है। दुनिया की विभिन्न पर्वतों की चोटियों पर पहुंचने पर ली गई अपने पति श्रीनिवास सैनी दत्तात्रेय की तस्वीरें साझा करते हुए 36 वर्षीय संगीतकार सुषमा सोमा ने लिखा है- वह 39 वर्ष के थे और उन्होंने अपना गौरवशाली और समृद्ध जीवन पूरी निडरता और सकारात्मकता से जिया। उल्लेखनीय है कि श्रीनिवास 19 मई को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचे थे। उन्होंने सोमा को संदेश भेजा था-वह एवरेस्ट की चोटी पर पहुंच गए हैं। उन्हें सेरेब्रल ओडेमा हुआ है। अब उनके वापस नीचे आने की संभावना नहीं है। सनद रहे सेरेब्रल ओडेमा ऊंचाई पर होने वाली घातक बीमारी है। यह कभी-कभी जानलेवा साबित हो जाती है। श्रीनिवास के पर्वतारोहण अभियान की सह आयोजक कंपनी नेपाल गाइड ट्रेक्स एंड एक्सपेडिशन ने सबसे पहले उनके लापता होने की कुछ दिन पहले पुष्टि करते हुए कहा था कि तीन-तीन शेरपा का समूह सिंगापुर में रहने वाले श्रीनिवास सैनी दत्तात्रेय की तलाश कर रहा है।

ईरान ने तालिबान की गोलीबारी के बाद सीमा पर आवागमन रोका

तेहरान। ईरान ने अफगानिस्तान से लगती अपनी सीमा पर फिलहाल आवागमन रोक दिया है। यह फैसला अफगानिस्तान की तालिबानी हुकूमत के सुरक्षाबलों के अकारण फायरिंग करने की वजह से लिया गया है। इस बीच जल विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच शनिवार को कई घंटे की भीषण गोलीबारी में तीन जवानों के मारे जाने का दावा किया गया है। ईरान के उप पुलिस प्रमुख जनरल कासिम रेजाई ने कहा है कि सीमा पर फायरिंग की शुरुआत तालिबान ने अकारण की। तालिबान के सुरक्षाबलों ने ईरान के सिस्तान और बलूचेस्तान प्रांतों की सीमा पर भीषण गोलीबारी की है। इन प्रांतों से अफगानिस्तान के निमरोज प्रांत की सीमा लगती है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में इस गोलीबारी में बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों के मरने और

घायल होने की जानकारी दी है। कुछ समाचार माध्यमों में इस गोलीबारी में ईरान के सीमा सुरक्षा बल के तीन जवानों के मरने की जानकारी दी है। दूसरी ओर अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने ईरानी बलों पर पहले फायरिंग शुरू करने का आरोप लगाया है। ताकोर ने कहा है अब सीमा पर स्थिति नियंत्रण में है।

बाइडेन और मैक्कार्थी कर्ज सीमा दो साल तक बढ़ाने पर सहमत

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैक्कार्थी शनिवार को सैद्धांतिक रूप से ऋण सीमा बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर सहमत हो गए हैं। इसकी अवधि दो साल की होगी।

अभी ऋ ण सीमा 31.4 ट्रिलियन है।

इस दो साल की अवधि में कुछ सरकारी खर्चों में भारी कटौती और कैपिंग का प्रावधान किया गया है। इस समझौते को संकट वार्ता के मैराथन मंथन की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पांच जून से पहले इस समझौते का प्रतिनिधि सभा में पारित होना जरूरी है।

प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन सदस्य बहुमत में हैं। दक्षिणपंथी सांसदों ने उधार लेने की सीमा को

बढ़ाने की जगह बड़े बजट में कटौती की मांग की थी। ताजा समझौता यदि पारित होता है तो संघीय खर्च पर प्रभावी रोक संभव है। केविन मैक्कार्थी ने कहा है कि उम्मीद है कि यह राजकोषीय गतिरोध को तोड़ने में सक्षम होगा और देश को आर्थिक संकट से छुटकारा मिलेगा।

नेपाल की जनमत पार्टी के अध्यक्ष सीके राउत ने चौथाईवाले से नई दिल्ली में की मुलाक़ात

काठमांडू। नेपाल की जनमत पार्टी के अध्यक्ष सीके राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विदेश मामलों के प्रमुख विजय चौथाईवाले से मुलाक़ात की। राउत ने दिल्ली में चौथाईवाले से मुलाकात

की है। जनमत पार्टी के प्रवक्ता वीपी शाह ने बताया कि राउत कुछ दिन भारत में रहेंगे और राजनीतिक बैठकें करेंगे। राउत सुबह दिल्ली पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के भारत दौरे की तारीख की घोषणा आज की गई। बताया जाता है कि राउत ने प्रचण्ड के भारत दौर से पहले भारत जाकर वहां के नेताओं से मधेश के मुद्दे पर चर्चा की। जनमत पार्टी के नेपाल की संसद में 6 सांसद हैं। जनमत पार्टी नेपाल की मधेश केंद्रित पार्टी है। बीते अप्रैल में पार्टी प्रचंड सरकार से अलग हो गई थी।

ऑडियो लीक मामले में जांच आयोग की कार्रवाई पर सुप्रीम रोक को प्रमुखता

नई दिल्ली। पाकिस्तान से प्रकाशित अधिकांश समाचारपत्रों ने ऑडियो लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट के जरिए जांच आयोग की कार्रवाई पर रोक लगाए जाने की खबरें प्रमुखता से प्रकाशित की हैं। चीफ जस्टिस उमर अता बिंदयाल का कहना है कि सरकार जजों में आपस में विरोधाभास पैदा करा रही है। उनका कहना है कि संविधान का सम्मान करें।

इसके साथ ही महंगाई पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बयान ने भी सुर्खियां बटोरी हैं। उन्होंने कहा है कि महंगाई इतनी हो गई है कि समझ नहीं आ रहा कि मुंह छुपा कर कहां जाऊं। कैपिटल हिल हमला जुर्म है तो 9 मई पर सजा भी जायज है, इसके ताने-बाने समुंदर पार बुने गए हैं। एक साल अस्थिरता की वजह से अफरा-तफरी में निकल गया। विकास का सफर प्रभावित हुआ है, तमाम साजिशें दफन कर देंगे। वहीं कुछ अखबारों ने विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के पीटीआई पर अपने बयान से पलटने की खबर भी छापी है। अब उन्होंने कहा है कि पीटीआई पर पाबंदी लगी तो विरोध नहीं करेंगे। पीटीआई रेड लाइन क्रॉस कर चुकी है, अगर कोई राजनीतिक संगठन आतंकवादी संगठन में परिवर्तित होना चाहे तो हम क्या कर सकते हैं। वित्त मंत्री इसहाक डार की अमेरिकी राजदूत से मुलाकात की खबरें भी छाई हैं। इस मौके पर उन्होंने अमेरिकी राजदूत से आईएमएफ प्रोग्राम में सहयोग करने की मांग की है। अखबारों ने स्वास्थ्य मंत्री अब्दुल कादिर पटेल का एक बयान छापा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि इमरान की मेडिकल रिपोर्ट में फ्रैक्चर का जिक्र नहीं है मगर शराब और कोकीन का इस्तेमाल सामने आया है। इस पर पीटीआई ने स्वास्थ्य मंत्री के जरिए दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि ज़लालत इंतिहा को पहुंच गई है, कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

9 मई की घटना पर गृह मंत्री राणा सनाउल्ला के बयान को भी अखबारों ने महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि की पूरी साजिश ज़मां पार्क में तैयार की गई थी। इमरान खान का ट्रायल भी मिलिट्री कोर्ट के दायरे में आता है। अखबारों ने रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का एक बयान छपा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि पीटीआई पर अभी पाबंदी लगाने का कोई फैसला नहीं हुआ है। उनका कहना है कि इमरान पर कातिलाना हमला हुआ तो इसका रिएक्शन नहीं हुआ, गिरफ्तारी पर क्यों हुआ? 9 मई की बाकायदा तैयारी की गई थी।

अखबारों ने पीटीआई चेयरमैन इमरान खान का एक बयान छापा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि डंडे से मसला हल नहीं होता तो तुरंत बातचीत की जानी चाहिए।

जब भी बातचीत की पेशकश करता हूं, दूसरे दिन ही और सख्ती शुरू कर दी जाती है। उन्होंने लोगों से सब्र करने की बात करते हुए कहा है कि कनपटी पर बंदूक रखकर पीटीआई को खत्म नहीं किया जा सकता है। अखबारों ने पीटीआई के 146 अन्य नेताओं का नाम भी नो फ्लाई लिस्ट में शामिल किए जाने की खबरें दी हैं।

गिलगित-बाल्टिस्तान में हिमस्खलन से 10 की मौत, 26 घायल

इस्लामाबाद। गिलगित-बाल्टिस्तान के अस्तोर जिले में हुए हिमस्खलन में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए।

डायमर-अस्तोर डिवीजन के पुलिस उप महानिरीक्षक तुफैल मीर ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान और मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए जिले में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। बचाव दल मौके पर पहुंच गया है और बर्फ के नीचे दबे लोगों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सेना के हेलीकॉप्टर और डॉक्टरों की एक टीम, एंबुलेंस और बचाव दल भी मौके पर पहुंच गए हैं। गिलगित-

बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री खालिद खुर्शीद खान ने इस दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए स्थानीय अधिकारियों को बचाव अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। 8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली दुनिया की 14 विश्व चोटियों में से पांच इस क्षेत्र में स्थित हैं। इसके अलावा गिलगित-बाल्टिस्तान में 7,000 से अधिक ग्लेशियर हैं जहां अक्सर हिमस्खलन, भूस्खलन और हिमनद झील के फटने की घटनाएं होती रहती हैं। इससे पहले 2012 में एक दुखद घटना में पाकिस्तानी सेना के कम से कम 129 सैनिकों और 11 नागरिकों की जान चली गई थी, जब गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कार्दू जिले से लगभग 300 किमी उत्तर पूर्व में गायरी क्षेत्र में एक बड़े हिमस्खलन ने उनके शिविर पर कहर बरपाया था।

दिवालिया होने से बचा अमेरिका! राष्ट्रपति बाइडन और केविन मैक्कार्थी के बीच हुआ ऋण सीमा समझौता

वाशिंगटन। ऋण संकट से जूझ रहा अमेरिका दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया था लेकिन अब लग रहा है कि जल्द ही अमेरिका इस संकट से उबर जाएगा। दरअसल राष्ट्रपति जो बाइडन और रिपब्लिकन सांसद और अमेरिका कांग्रेस के स्पीकर केविन मैक्कार्थी के बीच ऋण सीमा को लेकर लगभग समझौता हो गया है। इस समझौते के तहत ऋण सीमा को बढ़ाकर 31.4 ट्रिलियन डॉलर करने पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही अमेरिका में करीब एक महीने से चल रही खींचतान भी खत्म हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभी दोनों शीर्ष नेताओं के बीच पूरी तरह समझौता नहीं हुआ है लेकिन लगभग सहमति बन गई है। कुछ चीजों पर को लेकर अभी भी बात हो रही है और जल्द ही दोनों नेता समझौते पर अंतिम मुहर लगा देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, शनिवार शाम में राष्ट्रपति बाइडन और केविन मैक्कार्थी के बीच 90 मिनट तक फोन पर बात हुई। इस डील के होने से आर्थिक संकट से जूझ रहे अमेरिका को राहत मिलेगी।

बता दें कि अगल जल्द ही ऋण सीमा को लेकर समझौता नहीं होता तो अमेरिका का खजाना खाली हो सकता था, जिससे अमेरिका के दिवालिया होने का खतरा था। इसका ना सिर्फ अमेरिका बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ता। अमेरिका सरकार कानूनी रूप से अपने खर्चों और दायित्वों को पूरा करने के लिए ऋण लेती है। अमेरिका की संसद ने कानून बनाकर इस कर्ज को लेने की सीमा तय की हुई है, जिसे ऋण सीमा कहा जाता है। अमेरिका संविधान के अनुसार कांग्रेस को सरकारी खर्च को नियंत्रित करने का अधिकार दिया गया है। बिना कांग्रेस की मंजूरी के सरकार तय ऋण सीमा से अधिक कर्ज नहीं ले सकती। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ऋण सीमा को बढ़ाने के पक्ष में नहीं थे, जिसकी वजह से विवाद बना हुआ था।

27 साल पुरानी PTI पर प्रतिबंध की तलवार; 9 मई के प्रदर्शन के बाद 60 नेताओं ने छोड़ा इमरान का साथ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक और राजनैतिक संकटों का सामना कर रहा है। एक ओर जहां उसके दिवालिया होने का खतरा मंडरा रहा है वहीं, दूसरी ओर इमरान खान को लेकर गहराया वर्तमान राजनैतिक संकट भी भयावह होता जा रहा है। इस बीच सामने आया

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

(जेयूआई-एफ) ने अतिवाद और हिंसा को बढ़ावा देने के

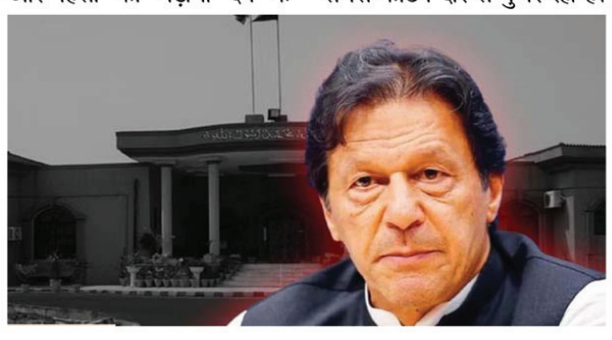

आरोप शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा समर्थित पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया है। इन हमलों के बाद रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संकेत दिया था कि सत्तारूढ़ गठबंधन जल्द ही संसद में पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पेश करेगा। आसिफ ने कहा था कि संघीय सरकार के सभी गठबंधन सहयोगियों को इस मुद्दे पर साथ लिया जाएगा।

पीटीआई, जिसकी स्थापना 25 अप्रैल, 1996 को लाहौर में इमरान खान द्वारा की गई थी, सबसे कठिन दौर से गुजर रही है।

हाल ही में 60 से ज्यादा नेताओं ने छोड़ी है पार्टी

25 अप्रैल, 1996 को लाहौर में इमरान खान द्वारा स्थापित की गई पार्टी से कई नेताओं ने हालिया घटनाओं के बाद किनारा कर लिया है। इनमें इमरान के करीबी पूर्व मंत्री असद उमर, शिरीन मजारी, फवाद चौधरी और फिरदौस आशिक अवान का नाम भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक, पीटीआई के 60 से अधिक नेताओं ने सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों का हवाला देते हुए पार्टी और खान से अलग होने की घोषणा की है। कहा ये भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में पीटीआई के पहले, दूसरे और तीसरे स्तर के नेता भी इस्तीफा दे सकते हैं।

इमरान का एलान-अकेले भी होंगे तो भी लड़ाई जारी रहेगी

इन सबके बीच, क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने ऐलान किया है कि अगर सभी नेता पार्टी छोड़ देते हैं और वे अकेले रह जाते हैं तो भी उनकी लड़ाई जारी रहेगी। बता दें कि अपनी स्थापना के शुरुआत के 15 सालों तक इमरान की पार्टी केवल एक सीट वाली पार्टी थी। खान ने 2002 के आम चुनावों में अपने गृहनगर मियांवाली से नेशनल असेंबली सीट जीती। यह एकमात्र सीट थी जिसे पीटीआई ने जीता था। खान ने अपने आंदोलन की तुलना पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के 'पाकिस्तान आंदोलन' से की।

ब्रिटेन का ध्यान भारत से विज्ञान व नवोन्मेष में रिश्ते बढ़ाने पर, विदेश मंत्री अहमद भारत पहुंचे

लंदन। दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद 4 दिनी यात्रा पर शनिवार को भारत पहुंचे। वह इस दौरान विज्ञान, अनुसंधान एवं नवोन्मेष में संबंधों की मजबूती पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने कहा, इन पर ध्यान केंद्रित करना विश्वभर में इन क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत करने की ब्रिटेन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कनाडा में सिख महिला दरविंदर कौर अपने पति निशान सिंह को तलाक देने पर विचार कर रही थी लेकिन छह माह से दूर रह रहे पति ने उसे एक पार्क में बुलाकर चाकू मारे। स्थानीय पुलिस ने बताया कि 43 वर्षीय दरविंदर की मौत हो गई है और उसकी हत्या के आरोप में पति निशान सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा एक और मामला वैंकूवर स्टारबक्स कैफे के बाहर 37 वर्षीय व्यक्ति को चाकू मारने का है। 32 वर्षीय इंदरदीप सिंह गोसाल को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

रूस में कार्यरत अपने

100 से अधिक कर्मियों को हटाएगा जर्मनी

मॉस्को की ओर से जर्मनी के राजनयिक मिशनों में लगे कर्मचारियों की संख्या पर सीमा तय करने के बाद जर्मनी वहां काम कर रहे 100 से अधिक सरकारी कर्मचारियों को हटाएगा। इसमें शिक्षक, स्कूलों और संस्थानों के कर्मचारी और जर्मनी की राजनयिक मिशन में काम कर रहे लोग शामिल है। जर्मनी के विदेश मंत्रालय के सूत्र ने शनिवार को कहा, रूस ने कर्मचारियों की संख्या में कटौती के लिए जून तक की समयसीमा दी है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले से पहले जर्मनी रूसी तेल और गैस का सबसे बड़ा खरीदार था। लेकिन इसके बाद से दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई है। पश्चिमी देशों ने रूस पर बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाए हैं साथ ही यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति की है।

नेपाल ने शुरू किया भारत के लिए बिजली का निर्यात

पड़ोसी देश नेपाल ने शनिवार को भारत को बिजली का निर्यात करना शुरू कर दिया। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के भारत दौरे से पांच दिन पहले यह कदम उठाया गया है। नेपाल ने पिछले साल भी जून से नवंबर तक भारत को पनबिजली का निर्यात किया था। नेपाल बिजली प्राधिकरण के प्रवक्ता सुरेश भट्टराई ने कहा कि हमने शनिवार से भारत को 600 मेगावाट घंटे बिजली की बिक्री शुरू कर दी है, क्योंकि देश में बिजली अधिक है। कोचीन विज्ञान व तकनीक विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) ने अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग) के छात्र-छात्राओं को मनपसंद पोशाक पहनने की छूट दी है। इससे पहले विश्वविद्यालय ने छात्राओं के लिए महावारी अवकाश की पहल कर भी मिसाल पेश की थी।

भारत के बाहर बांग्लादेश में हैं सर्वाधिक शक्ति पीठ

ढाका। आदि शक्ति माता दुर्गा के भारत सहित विभिन्न पड़ोसी देशों में कुल 52 शक्ति पीठ हैं। हालांकि देवी पुराण में 51 शक्तिपीठों का वर्णन है लेकिन तन्त्र चूड़ामणि में 52 शक्ति पीठ बताए गए हैं। इनमें 42 शक्ति पीठ भारत में और पांच पड़ोसी देशों में दस शक्ति पीठ हैं, जिनमें सर्वाधिक पांच शक्ति पीठ बांग्लादेश में बताए जाते हैं।

सुगंधा शक्ति पीठ

सुगंधा शक्ति पीठ बांग्लादेश की राजधानी ढाका से करीब 150 किलोमीटर दूर है। यह शक्ति पीठ शिकारपुर नगर पालिका क्षेत्र में सुगंधा नदी के किनारे स्थित है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार यहां माता की नासिका गिरी थी। इसीलिए इसे नासिका पीठ भी कहा जाता है। इस देवी की शक्ति सुनंदा है और इनके भैरव को त्र्यंबक कहा जाता है। यह मंदिर उग्रतारा के नाम से भी विख्यात है। यह पत्थर का बना हुआ बहुत ही प्राचीन मंदिर है। उग्रतारा सुगंधा देवी के पास तलवार, खेकड़ा, नीलपाद, और नरमुंड की माला है। कार्तिक, ब्रह्मा, विष्णु, शिव, गणेश उनके ऊपर स्थापित हैं।

यशोरेश्वरी शक्ति पीठ

यशोरेश्वरी शक्ति पीठ बांग्लादेश की राजधानी ढाका से करीब 350 किलोमीटर दूर है। यह शक्ति पीठ खुलना जिला के ईश्वरीपुर के यशोर स्थान पर स्थित है। मान्यता है कि यहां माता सती की हथेलियां गिरी थीं। माता की शक्ति को यशोरेश्वरी और भैरव को चण्ड कहते हैं। बताया जाता है कि कभी यह मंदिर बहुत भव्य हुआ करता था। यहां 100 से अधिक दरवाजे थे, लेकिन मुगलों ने इसे खंडित कर दिया। इसके बाद लक्ष्मण सेन और प्रपाद आदित्य ने इसका जीर्णोद्धार करवाया। इसके बाद स्थानीय हिंदू और मुस्लिम मिलकर इस मंदिर की रक्षा करते हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी यहां पूजा-अर्चना करने आए थे।